हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

26 जुलाई, 1974

खण्ड 2 अंक 8

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भुक्रवार, 26 जुलाई, 1974

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(8)1
नियम 45 के अधीन सदन के पटल पर रखे हुए तारांकित प्र न का लिखित उत्तर	(8)40
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(8)40
ध्यानाकर्शण सूचना संख्या 5 पर गृह तथा स्वास्थ्य राज्य मंत्री द्वारा वक्तव्य	(8)43
बहिर्गमन	(8)46
दी पंजाब कोआप्रेटिव सोसाइटीज (हरियाणा अमैंडमेंट) बिल, 1974	(8)46
बहिर्गमन	(8)47
दी पंजाब कोआप्रेटिव सोसाइटीज (हरियाणा अमैंडमेंट) बिल, 1974 (पुररारम्भ)	(8)49

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 26 जुलाई, 1974

विधान सभाय की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ में 14–00 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी सरूप सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Pension Cases

***769. Chaudhri Ram Lal Wadhwa:** Will the Minister for Finance be pleased to state-

(a) the total number of pension cases of the State Government employees pending for finalization on 1st March, 1974.

(b) the total number of cases out of those referred to in part (a) above which are than one, two and three years old separately;

(c) the time by which the said pending cases are likely to be finalised; and

(d) whether the Government intendsj to formulate any scheme so that a pensioner may get his pension in the next month of his retirement?

Finance Minister (Shri Ram Saran Chand Mital):

(a) 143

(b) More than one year old: 24

More than two year old: 11

More than thee year old: 21

(c) No specific date with regard to final disposal of these cases can be indicated.

(d) Yes. In fact a scheme has already been formulated.

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि गवर्नमैंट के कोई ऐसे डिपार्टमैंटस भी हैं जिन में पेन्शन नहीं दी जाती, अगर है तो कौन से हैं?

श्री राम सरन चन्द मितलः स्पीकर साहब, यह इससे अराईज नहीं होता इसके लिए अलग नोटिस चाहिए।

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि 21 केसिज ऐसे है जो तीन साल से ज्यादा पुराने है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि ये तीन साल से क्यों पैंडिंग है? गवर्नमैंट ने इसका फैसला क्यों नहीं किया।

श्री राम सरन चन्द मितलः स्पीकर साहब, जितने पुराने है उनके मुतालिक मैं बता देता हूं–5 केसिज ऐसे हैं जिनमें कोटर्स का डिसिजन चाहिए, 20 केसिज ऐसे हैं जो सैक्शन आफ पेन्शन, डिपार्टमेंटल इन्कवायरी के कारण पैंडिंग है, 10 केसिज रिकवरीज

भाार्टेजिज ऐम्बैजलमेंट की वजह से पेन्डिग है, 8 केसिज ऐसे है जिनमें गवर्नमैंट सर्वेन्टस के लीगल हेयरज से ऐप्लीके ान चाहिए और 5 केसिज ऐसे है जो अकाउटेन्ट जनरल के यहां चल रहे है।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इन केसिज को कब तक डिस्पोज आफ कर दिया जाएगा?

श्री राम सरन चन्द मितलः स्पीकर साहब, मैं आनरेबल मैम्बर का ध्यान जवाब के पार्ट सी की ओर दिलाना चाहता हूं जिसमें लिखा है—

"No specific date with regard to the final disposal of these casesl can be indicated.

मुख्यमंत्री (चौधरी बंसी लाल): स्पीकर साहब, इसके अलावा मैं हाउस को एक और इन्फरमे ान देना चाहता हूं कि पहले हजारोंकि की तादाद पेन ान के केसिज पेन्डिंग रहते थे लेकिन अब हमने आफिसर्ज की एक कमेटी बना दी है और हमने यह किया है कि जब कोई आदमी रिटायर होकर घर जाए तो साथ के साथ ही उसकी पेन ान स्लिप चला जाए।

श्री राम सरन चन्द मितलः स्पीकर साहब, तीन महीने के अन्दर 86 केसिज और डिस्पोज आफ हो चुके हैं।

श्री के0एन0 गुलाटीः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि मौजूदा महंगाई को देखते हुए पेन ान के अमाउन्ट को बढाने का कोई विचार है?

श्री अध्यक्षः यह सप्लीमैंन्टरी नहीं बनता।

चौधरी मेहर चन्दः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो केसिज काफी टाईम से पेन्डिग है और किसी वजह से उनका फाइनेलाइे ान नहीं हुआ है उनमेंस एन्टीसिपैटरी पेन् ान दी जाती है या नहीं?

श्री राम सरन चन्द मितलः रूल्ज के मुताबिक ऐन्टी सिपैटरी पैन् ान देते हैं।

Construction of Roads in Bawani Khera Tehsil

*785. Shri Amar Singh: Will the Minister for Revenue be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the following roads in Bawani Khera Tehsil in Bhiwani District and the timeby which the same are likely to be completed:-

1.	Ratera to Kirawar;
2.	Ratera to Nalwa;
3.	Bawani Khera to Jamalpur;
4.	Jamalpur to Ronat;

5.	Lohari Jatu to Biliali and link to Surma Khera;
6.	Bawani Khera Tosham road to Bhurtana;
7.	Pur to Talu via Siwara;
8.	Bawani Khera to Paposa;
9.	Pur to Dhanana;
10.	Sui to Taga;
11.	Mandhal to Kungar;
12.	Baliali to Taga;
13.	Hansi Bhiwani road to Sui Railway Station; and
14.	Herita to Bawani Khera via Badon Brahamanan to Kanwari and Bhurtana to Bawani Khera.

Revenue Minister (Pandit Chiranji Lal Sharma):

(a) Yes. (For item Nos. 1, 2, 3, 4, 6, 7, 8, 9 and 12 only)

(b) No target date can be fixed for completion of these roads.

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जिला भिवानी में कितने गांव पक्के हो चुके हैं और बाकी कितने है?

श्री अमर सिंहः मिनिस्टर साहब ने अभी बताया है कि 1, 2, 3, 4, 6, 7, 8, 9 और 12 सीरयल पर जो जगह हैं वहां पक्की

सडक बनाने की प्रोपेाजल है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वहां लैंड ऐक्वायर हो चुकी है और अर्थ वर्क हो चुका है या नहीं?

Pandit Chiranji Lal Sharma: Mr. Speaker, Sir, Bhiwani has becomel a district recently just about eighteen or nineteen months backj and it is the policy of the Government to connect all such villages of this district with roads which were formely part of Hissar district. Other wise the policy of the Government of Haryana is that where there are double link roads, those villages are not to be as such connected by roads.

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि फंडल अवेलेबल नहीं है। मैं पूछना चाहता हूं कि एक महीने में, दो महीने में या साल में कब तक फंडल अवेलेबल हो जायेंगे। कोई टाईम लिमिट तो होनी चाहिए कि कब तक फंडज हो जायेंगे?

Pandit Chiranji Lal Sharma: Mr. Speaker, Sir, as I have already replied earlier Haryana Government is now giving priority to irrigation and electricity. We spend fifty five crores of rupees during the last five years on the contruction of roads and now the progress of roads has been slowed because funds have to be diverted towards Irrigation and electricity works.

चौधरी चांद रामः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार के फैसले के मुताबिक पहले सडकों को प्रायरिटी देनी थी तो फिर सडको की बजाय इरीगे ान को प्रायरिटी देने का फैसला क्यों बदला?

Pandit Chiranji Lal Sharma: The Government of India has now laid stress on these things otherwise the Haryana Government was very keen to connect each and every village with roads.

मुख्यमंत्री (चौधरी बंसी लाल): स्पीकर साहब, इसके अलावा मैं यह बता दूं कि भारू में पहले हमने यह फैसला किया था कि हरेक गांव को बिजली देंगे फिर सडकों का फैसला किया। उस वक्त हमारे सामने इरीगे ान के जो प्रोजैक्ट है वह नहीं थे जैसी आज बिजली की दिक्कत है वह डिफिकल्टी उस वक्त नहीं थी। इसलिए हमने प्रायरिटी बदली। कल को अगर दूसरी चीजों की डिफिकल्टी आएगी तो हम प्रायररिटी बदल सकते हैं।

श्री के0एन0 गुलाटी: क्या मंत्री महोदय बताऐंगे कि जो सडके बनती है और बारि ा होने से फौरन टूट जाती है उनके लिए सरकार का क्या विचार है?

पंडित चिरंजी लाल भार्मा: अगर आनरेबल मैम्बर के नोटिस में ऐसी कोई सडक है जो बनते ही टूट गई I will certainly look into the matter and institute an enquiry.

श्री अमर सिहः स्पीकर साहब, जवाब में बताया गया है कि आइटम 1 से लेकर 12 तक (एक दो आइटम्ज को छोडकर) सडक बनाने का प्रोग्राम है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कितनी ऐसी रोडज है जिन पर अर्थ वर्क हो चुका है और कितनी ऐसी है जिन का अर्थ वर्क होना है?

Pandit Chiranji Lal Sharma: For that I want to seperate notice as to whether land has been acquired or road has been constructed. However, the hon. Chief Minister recently visited that district and found that there were famine conditions. The Deputy Commissioner also sent a Report and there we are going to construct some roads under the say off hand. But on which road earth work has been done. I cannot say off hand. If the hon. Member is very particular about it, he may give a seperate notice for that.

चौधरी बंसी लालः स्पीकर साहब, बहुत से गांव मैटल्ड रोडज से पहले ही लिंकड है। डबल लिंक की बात भी इनमें कई दफा आती है। डबल लिंक तो हम वहीं देने की कोि ा ा करेंगे कि री–आर्गेनाइजे ान आफ डिस्ट्रिक्ट के बाद लोगों को जाने में दिक्कत आती है उनको हम पहले प्रायरिटी देंगे वरना पहले ही कई गांव मैटल्ड रोडज पर हैं।

चौधरी फूल सिंह कटारियाः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कौन कौन सी डिस्ट्रक्टस है जहां फैमिन कंडी ांज है?

चौधरी बंसी लालः उनमें झज्जर तहसील जरूर है..... (हंसी)।

चौधरी पीर सिंहः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो सडके बनाई जाती है वह गवर्नमैंट बनाती है या ठेकेदार बनाते है?

पंडित चिरन्जी लाल भार्मा: स्पीकर साहब, सडकें सब गवर्नमैंट बनाती है ठेकेदार नहीं बनाते।

Cases of Theft

***812. Chaudhri Shiv Ram Verma:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the total number of cases of theft registered and challanged, seperately by the police station Bhtana in District Karnal during the period from 1st March, 1973 to 28th February, 1974; and

(b) the total number of cases out of those referred to in part (a) above which remained untraced and dismissed by the Courts, seperately?

State Minister for Home & Health (Shrimati Sharda Rani):

(a) Cases registered _____ 24

Cases challanged _____ 7

(b) Cases untraced _____ 11

Cases dismissed by the courts_____ NIL

चौधरी ि ाव राम वर्मा: क्या मंत्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि इसमें कितनी मालियत का माल चोरी हुआ है?

श्रीमति भारदा रानीः स्पीकर साहब, 66080.44 रूपए का माल चोरी हुआ और 43751.20 रूपए का माल ट्रेस हुआ।

चौधरी ि ाव राम वर्माः क्या मंत्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि इसमें कितने प ा चोरी हुए है और कितने घरों की चोरी हुई?

श्रीमति भारदा रानीः प ाओं की चोरी के दो केसिज है और बाकी सब घरों का सामान गया है। इस सामान में बर्तन औरनामेन्टस और साइकिल भी है। एक केस बिजली की चोरी का भी है।

श्री अमर सिंहः क्या मंत्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि जो केस ट्रेस हुए हैं उनमें गूजर कितने हैं जिन्होंने चोरी की हैं?

गृहमंत्री (श्री के0 एन0 गुलाटी): स्पीकर साहब, इसमें चोरी बिरादरी ने नहीं की चोरी करने वाले इंडिविज्युअल है।

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, क्या मिनिस्टर साहिबा यह बताने की कोि ा ा करेंगी कि जो अन–ट्रेसड केस हैं वे अभी तक ट्रेस क्यों नहीं हुए है और उनको कब तक सरकार ट्रेस करवा देगी?

श्रीमति भारदा रानीः अध्यक्ष महोदय, अन–ट्रेसड केस 11 है और उनका कोई क्लू नहीं मिल रहा है। कोई चोर का पता ही नहीं लग सका इसलिए उनका अदम पता पूरी तरह से तसल्ली करके एसपी और डीएसपी ने उन को आदम पता खारिज कर दिया।

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, क्या मिनिस्टर महोदया बताएंगी कि जो केस ट्रेस हो चुके है उनमें कितनों को सजा हो चुकी है और कितने अभी पैंडिंग है?

श्रीमति भारदा रानीः अध्यक्ष महोदय, 7 ट्रेस हुए हैं। एक में कनविक ान हुआ है और 6 अभी पैंडिंग ट्रायल है।

मलिक सतराम दास बतराः अध्यक्ष महोदय, क्या मिनिस्टर महोदया यह बताएगी कि चौधरी ि ाव राम जी वर्मा जो पगडी बांध कर नहीं आए, आया वह भी चोरी तो नहीं हो गई? .....(हंसी)

श्रीमति भारदा रानीः इसकी रिपोर्ट का पता करेंगे कि दर्ज हुई कि नहीं?

मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लालः मिस प्लेस हो गई है अन–ट्रेसेबल ही जाएगी। (हंसी)

श्री के0 एन0 गुलाटीः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदया यह बतलाने की कृपा करेंगी कि जिसकी चोरी हो जाती है वह लोग पुलिस स्टे ान पर जाते हैं तो बहुत सारे केसिज में बगैर केस रजिस्टर करने के एप्लीके ान्ज ली जाती है क्या इस एप्लीके ान्ज सिस्टम को खत्म करके सरकार की तरफ से सारे केसिज रजिस्टर करने के लिए हिदायतें दी जाएंगी?

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज। यह तो बुटाना पुलिस स्टे ान के मुताल्लिक क्वै चन है।

श्रीमति भाारदा रानीः अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहने जा रही थी कि अगर एप्लीके ान्ज न लेंगे तो क्या खुद एप्लीकेन्ट के हाथ में रजिस्टर देकर नाज दर्ज करवया जाएगा?

Batterment Levy

***790. Chaudhri Dal Singh:** Will the Minister for Revenue be pleased to state the total amount of betterment levy collected in District Jind during the years 1972 and 1973 seperately?

Revenue Minister (Pandit Chiranji Lal Sharma):

Betterment Levy

Year	Amount of Betterment Levy collected
1971-72	Rs. 23,39,841
1972-73	Rs. 26,64,248
1973-74	Rs. 29,32,150

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, अभी मिनिस्टर साहब ने फर्माया कि 71–72 में 2339841 रूपये, 72–73 में 2664248 रूपये और 73–74 में 2932150 रूपये बैटरमैन्ट लेवी के रूप में जिला जींद से वसूल किये गये, तो मैं मिनिस्टर महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि 71–72 की निस्बत 73–74 में इतनी 6–7 लाख रूपये की बढोतरी क्यों हुई है जबकि वहां पर पानी वहीं है?

पंडित चिरन्जी लाल भार्मा: स्पीकर साहब, यह बैटरमेन्ट लेवी जो है यह पंजाबस बैटरमेन्ट चार्जिज एण्ड एकरेज एक्ट 1952 के तहत है। यह तो इरीगे ान का काम है, इरीगे ान का एरिया बढा है। हमारा काम तो रिकवरी करना है वह हम रिकवर करेंगे।

चौधरी चांद राम: स्पीकर साहब, क्या मिनिस्टर साहब यह बतलाने की कृपा करेंगे कि जो पंजाब एक्ट का नाम लिया गया है क्या इस एक्ट के तहत पंजाब ने बैटरमैंट लैवी मन्जूर कर दी और उन से कोई पैसा वसूल नहीं किया?

Pandit Chiranji Lal Sharma: What has happended in Punjab, I do not know nor am I supposed to and if the hon. Member is particular about it, I can just find it out.

चौधरी दल सिंह: स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने अभी बताया कि हमने बैटरमैंट लेवी खत्म कर दी है लेकिन आज भी इस बारे में 1800 के लगभग हाईकोर्ट में रिटस हो चुकी है तो क्या वे इस को ध्यान में रखते हुए और किसानों की दिक्कत को देखते हुए यह लेवी विदड्रा करने के लिए तैयार है।

चौधरी बंसी लाल: स्पीकर साहब, यह एक मेजर इ ा है। 29 तारीख को इस पर मैं कुछ रो ानी डालूंगा।

Gurgaon Canal

***824. Malik Sat Ram Dass Batra:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the time by which the Gurgaon Canl Project is likely to be competed.

(b) the total area which is likely to be irrigated by this project; and

(c) the time by which the Gurgaon Canal will become perennial?

State Minister for Irrigation and Power (Sardar Harmohinder Singh Chatha):

(a) The work is likely to be completed by 1975 subject to availability of funds and materials

(b) Gross Area- 358 Lakha Acres

Culturable Commanded Area- 3.23 Lakh Acres

(c) Gurgaon Canal will become perennial on the construction of new Okhlap Barrage and availability of Haryana's share ini the surplus Ravi-Beas waters.

मलिक सतराम दास बतराः स्पीकर साहब, क्या मिनिस्टर साहब यह बतलाने की कृपा करेंगे कि यह जो गुडगांव कैनाल है इसकी कपैसिटी कितनी है और क्या इसमें यूपी का रकबा भी आता है?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चटठाः स्पीकर साहब, इसकी कपैसिटी कोई 2240 क्यूसिक्स है?

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, क्या मिनिस्टर साहब यह बतलाने की कृपा करेंगे कि इस प्रोजैक्ट का वाटर अलाउंस क्या रखा है?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चटठाः स्पीकर साहब, अभी तो यह प्रोजेक्ट पूरा भी नहीं हुआ। गुडगांव कैनाल में अभी पूरा पानी नहीं जा सकता। इसलिए यह बैरज बन नहीं सकता। जब यह बैरज पूरा बन जाएगा तो इसका वाटर अलाउंस भी निर्चत किया जाएगा।

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, इन्होंने कहा कि इससे 3.58 लाख एकड एरिया सैराब होगा। जब इन्होंने वाटर अलाउंस ही मुकर्रर नहीं किया तो इनको यह कैसे पता लगा कि इतना एरिया सैराब होगा?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चटठाः स्पीकर साहब, रावी ब्यास के पानी की बात थी कि वह पानी हमारे पास आ जाएगा उसके बाद हम सारा एरिया इरीगेट करेंगे लेकिन इवन दैन.....

Mr. Speaker: No arguments. Order please.

चौधरी चांद रामः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह जो गुडगांव कैनाल प्रोजेक्ट है वह कब मन्जूर हुआ था?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चटठाः स्पीकर साहब, यह 1960 में भाुरू हुई थी।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मिनिस्टर साहब यह बताने की कृपा करेंगे कि इस पर कुल कितने खर्चे का अनुमान है और अब तक कितना खर्च हो चुका है?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चटठाः इस पर टोटल 12 करोड 6 लाख रूपए खर्च होने का अनुमान है और इस पर 10 करोड 27 लाख रूपया खर्च हो चुका है।

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने अभी कहा कि इसका काम 1960 में भाुरू हुआ था तो क्या वे बताएंगे कि 1967 तक या 1968 तक इस प्रोजेक्ट पर कितना खर्च हुआ है?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चटठाः स्पीकर साहब, इसके बारे में तो मैंने पहले ही बता दिया है।

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने अभी कहा कि इसका काम 1960 में भाुरू हुआ। आज 1974 है यानि 14 साल हो गए हैं इस बीच में और प्रोजेक्ट आ गए हैं लेकिन इसमें यह जो देरी हुई है इसका क्या कारण है?

मुख्यमंत्री (चौधरी बंसी लाल): स्पीकर साहब, इस में देरी इसलिए हो गई कि ओखला बैरज इतना पानी नहीं ले सकता और न उतना पानी हमें इमीजीएटली अवेलेबल है दूसरे जो प्राजेक्ट बने हैं वह फलड के पानी से बने है और यह बैरज फलड का इतना पानी नहीं ले सकता जब तक कि इसको बढाया न जाए।

चौधरी पीर चन्दः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि यह जो नहर बनाई जा रही है यह किस किस इलाके को सैराब करेगी और कितने रकबे सैलाब करेगी।

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चटठाः स्पीकर साहब, यह नहर सवा तीन या साढे तीन लाख एकड एरिया को सैराब करेगी। अगर ये चाहें तो मैं अलग अलग गांव लिख कर बता सकता हूं।

चौधरी चांद रामः अभी यहां पर ओखला की बात की गई क्या मिनिस्टर साहब बतायेंगे कि यह कब तक बनकर मुकम्मिल हो जाएगी?

चौधरी बंसी लालः स्पीकर साहब, अभी तो यह बनना भी भाुरू नहीं हुआ। यूपी और हरियाणा का इस चीज का झगडा है। अभी रीसैन्टली कोई एक हफता पहले मैंने और बहुगुणा साहब ने पंत जी को आरबीट्रेटर मुकर्रर किया। ओखला और ताजेवाला दोनों बैरज के बनने पर। हम दोनों ने दस्तखत करके उनकों आरबीट्रे ान सौंप दिया है। जैसे ही वह फैसला करेंगे, काम भाुरू हो जाएगा।

Plots sold in Madis

***836. Shri Om Parkash Garg:** Will the Minister for Social Welfare and Taxation be pleased to state-

(a) the place-wise total number of plots sold in Madis from 1st November, 1966 to 31st May, 1968 alongwith the amount of sale proceeds thereof;

(b) the place-wise total number of plots sold in Madis from 1st June, 1968 to 31st March, 1974 alongwith the amount of sale proceeds thereof;

(c) the place-wise total number of plots which are proposed to be sold in the new Mandis during the year 1974-75; and

(d) the facilities which are being provided to the purchasers of new plots?

Social Welfare and Taxation Minister (Shri Shyam Chand):

(a) (b) (c) A statment is laid on the table of the House.

(d) All kinds of modern facilities viz. roads, platforms, water supply and sewerage are being provided in the new Mandi townships.

STATEMENT

(a) Plots sold during the period from 1-11-1966 to 31-5-1968

Sr. No.	**Name of Mandi**	**No. of plots sold**	**Amount of sale proceeds**
1	Adampur	46	316050.00

2	Ellenabad	34	150200.00
3	Fatehabad	19	64000.00
4	Hansi	22	343500.00
5	Kalanwali	42	545100.00
6	Sirsa	169	2033300.00
7	Kaithal	72	674800.00
8	Pehowa	102	1104900.00
	Total	506	5231850.00

(b) Plots sold during the period from 1-6-1968 to 31-3-1974

Sr. No.	**Name of Mandi**	**No. of plots sold**	**Amount of sale proceeds**
1	Adampur	234	2503300.00
2	Bhattu Kalan	139	992700.00
3	Barwala	99	541400.00
4	Dabwali	146	1939705.00
5	Fatehabad	127	1767600.00
6	Ellenabad	202	1691000.00
7	Hissar	72	1633150.00

8	Hansi	122	1520900.00
9	Kalanwali	218	2092250.00
10	Ratia	161	4349600.00
11	Rania	61	317200.00
12	Sirsa	519	10134300.00
13	Tohana	80	765800.00
14	Bhiwani	115	1914000.00
15	Bawani Khera	79	237050.00
16	Satnali	21	259200.00
17	Tosham	16	129600.00
18	Ballabgarh	94	2264300.00
19	Gurgaon	5	103000.00
20	Hathin	39	337500.00
21	Guhla	521	6019850.00
22	Kaithal	320	2159575.00
23	Pundri	142	1787600.00
24	Pehowa	105	1301200.00
25	Indri	93	788800.00
26	Kosli	19	317600.00

27	Jhajjar	28	437900.00
28	Kalayat	96	381850.00
29	Narwana	166	1870400.00
30	Safidon	23	220100.00
31	Rewari	128	260140.00
	Total	4190	53379830.00

(c) During the year 1974-75, it is porposed to sell plots in the following new Madis, namely

1	Sirsa
2	Fatehabad
3	Ellenabad
4	Adampur
5	Hansi
6	Tohana
7	Hissar
8	Kalanwali
9	Dabwali
10	Barwala
11	Ratia

12	Rania
13	Dharsulkalan
14	Pabra
15	Kaithal
16	Guhla
17	Pehowa
18	Pundri
19	Narwana
20	Safidon
21	Uchana
22	Bhiwani
23	Hathin
24	Ballabgarh
25	Gurgaon
26	Rewari
27	Mohindergarh
28	Indri
29	Rajound
30	Taraori

31	Samalkha
32	Kosli
33	Jhajjar and
34	Naraingarh

Plots of different categories are available for sale in these mandis,but it cannot be said as to how many plots would be sold, because it depends upon the demand from the public.

चौधरी राम लाल वधवा: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो मंडिया बनाई जाती है उनको डिवैल्प करके दिया जाता है या यू हीं प्लाट बेचकर दिया जाता है कि स्वयं डिवैल्प करो?

श्री भयाम चन्द: स्पीकर साहब, डिवैल्प करने के बाद देते हैं।

चौधरी दल सिंह: स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने जैसा कि अपने जवाब में कहा है कि 1.11.66 से 31.5.68 तक 506 प्लाटस और 5231850 रूपए वसूल किए तो मैं जानना चाहता हूं कि आपने जो असल जमीन ली उसका लोगों को क्या मुआवजा दिया?

Shri Shyam Chand: It does not arise from this question, sir. I need a seperate notice.

चौधरी फूल सिंह कटारियाः क्या मिनिस्टर साहब यह बताऐगें कि कोसल और झझर में जो मंडिया बनाई है उनमें कितने–कितने प्लाटस काटे गए हैं और कितने बाकी है? और जो बाकी है उनको कितना टाइम लगेगा?

श्री भयाम चन्दः स्पीकर साहब, इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए जवाब दे देंगे।

श्री गौरी भांकरः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि आपने जितनी मंडियां बनाई है उन में से कितनी मंडियों में काम चालू हो चुका है और कितनी मंडिया वैसे ही पडी है?

श्री भयाम चन्दः स्पीकर साहब, मैं इसका जवाब पहले दे चुका हूं।

चौधरी दल सिंहः मिनिस्टर महोदय बताएंगे कि क्या वह जींद में डिस्ट्रिक्ट हैड–कवार्टर में इस किस्म की मंडी बनाने का इरादा रखते हैं

श्री भयाम चन्दः स्पीकर साहब, जितनी मंडियां बनानी है उनके नाम स्टेटमेंट में लिखे हुए है।

चौधरी पीर चन्दः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि जो मंडियां बन चुकी है वह कामयाब भी हुई है या पहली मंडियां में ही लोग काम कर रहे है।

श्री भयाम चन्दः स्पीकर साहब, मंडी वहीं पर बनती है जहां पर कामयाबी के नि ाान हो।

श्री गुलाब सिंह जैनः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि हिसार में जो नई मंडी बनी है वहां काफी लोगों ने दुकानें बना ली है वहां काम कब तक भाुरू हो जाएगा?

श्री भयाम चन्दः स्पीकर साहब, दुकानें काम भाुरू होने के बाद ही बनी है।

Prostitution Addas

***863. Shri K.N. Gulati:** Will the Minister for Home be pleased to state—

(a) whether the Government is aware that prostitution addas are being run under the pretext of dancing houses in Sector 16 and Nehru Ground, Faridabad; and

(b) if the reply to part(a) be in affirmative the measures taken by the Government to check the social evil?

State Minister for Home & Health (Shrimati Sharda Rani):

(a) No prostitution addas under the pretext of dancing houses are being run in Sector 16 or in Nehru Ground, Faridabad.

(b) Does not arise.

श्री के0एन0 गुलाटीः इसी तरह का एक अडडा सैक्टर 9 में भी खुल चुका है तो क्या मंत्री महोदया उसको बन्द करवाने के लिए कोई कोि ा ा करेगी?

श्रीमति भाारदा रानीः वहां डानसिंग अडडा तो कोई नहीं है हां अगर डानसिंग स्कूल हो तो कोई बुरी बात नहीं है।

चौधरी दल सिंहः अभी मिनिस्टर साहिबा ने फर्माया कि कोई डानसिंग अडडा नही है मैं पूछना चाहता हूं कि अगर कोई अडडा है तो किस चीज का है?

श्रीमति भाारदा रानीः अडडे तो बहुत होंगे लेकिन जो सवाल में पूछा गया है वह नहीं है।

Bus Service from Jhajjar to Narnaul

***894. Chaudhri Phul Singh Kataria:** Will the Minister for Development be pleased to state—

(a) whether it is a fact that no bus service has been provided from Jhajjar to Narnaul via Rewari and from Jhajjar to Narnaul via Kosli; and

(b) if the reply to part (a) above be in the negative whether there is any proposal under consideration of the Government to provide bus-service for the areas referred to in part (a) above and if so, the time by which it is likely to be materialised?

ि ाक्षा एवं परिवहन राज्य मंत्री (श्रीमति प्रसन्नी देवी):

(क) जी हां।

(ख) ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

चौधरी फूल सिंह कटारिया: स्पीकर साहब, मंत्री महोदया ने जवाब में बताया कि जी हां, तो मैं पूछना चाहता हूं कि यह कब तक हो जाएगा?

श्रीमति प्रसन्नी देवी: आपने क्वै चन क्या पूछा है पहले वह पढो।

चौधरी फूल सिंह कटारिया: मैंने यह पूछा है कि क्या यह सही है कि झझर से नारनौल वाया रिवाडी और झझर से नारनौल वाया कोसली के लिए कोई बस सेवा नहीं है?

श्रीमति प्रसन्नी देवी: आपने यह पूछा है कि बस चलती है या नहीं।

श्री अध्यक्ष: अगला प्र न।

Installation of Government Tube-wells in Barani Land

***904. Shri Dhaja Ram:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether it is a fact that sufficient land is lying unirrigated in villages sangatpura, Kheri, Jawan and Sisar in Tehsil Jind, District Jind and in villages Roop Garh, Dharoli, Bhagru Kalan, Khurd, Kalwa Kharak Gagar, Kaloti, Bhuran in Tehsil Safidon District Jind; and

(b) If the reply to part(a) above be in the affirmative whether the Government proposes to give top priority for the installation of Government Tubewells for Irrigation purposes in the Villages as referred to in part(a) above?

State Minister for Irrigation and Power (Sardar Harmohinder Singh Chatha):

(a) No. The Culturable land of these villages is already included in the chaks of irrigation channels.

(b) The question does not arise.

चौधरी दल सिंहः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि जो जमीनें आप चकबन्दी में लाते हैं क्या उन सारी को पानी मिलता है?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चटठाः स्पीकर साहब, अगर एक हजार एकड जमीन हो और उसमें 2.4 क्यूसिक पानी दिया जाना है तो हर एरिये को पानी कैसे पहुंच सकता है।

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, अगर मैं मिनिस्टर साहब के नोटिस में लांउ कि फलां फलां गांवों के अन्दर पानी नहीं है तो क्या मिनिस्टर साहब उनकी इन्क्वायरी करवा कर अपनी स्टेटमेंट को दुरूस्त करेंगे?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चटठा: यह बात इनकी गलत है। कोई भी ऐसी जगह नहीं है कि जिस गांव में पानी न हो। यह हो सकता है कि किसी गांव में कुछ कम पानी हो। लेकिन फिर भी जो नाम हम देंगे उनकी इन्क्वायरी करवा लेंगे।

तारांकित प्र न सं0 915

माननीय सदस्य सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह सवाल पूछा नहीं गया।

Land under Panchayats

***919. Chaudhri Ram Parshad:** Will the Minister for Development be pleased to state—

(a) the total area of land under Panchayats in the State at present;

(b) the name of village Panchayat which has the largest area of land togetherwith its income accured therefrom;

(c) panchayat land, if any, which has been encroached upon together with the number of such Panchayats;

(d) whether there are any training facilities for Panches, if so details thereof?

Employees of Haryana Roadways

***937. Rao Abhai Singh:** Will the Minister for Development be pleased to state—

(a) the total number of employees of Haryana Roadways as on 31st May, 1968 and as on 31st May, 1974, seperately; and

(b) the additional facilities which are being provided to the employees of the Haryana Roadways other than the employees of the Government?

ि ाक्षा एवं परिवहन राज्य मंत्री (श्रीमति प्रसन्नी देवी):

(ए)

अवधि	कर्मचारियों की संख्या
31—5—68	3363
31—5—74	8544

(बी) निम्नलिखित अतिरिक्त सुविधाएं हरियाणा रोडवेज के कर्मचारियों को उपलब्ध की जा रही है—

1	बोनस की बजाय ऐक्स ग्रे ि ाया अनुदान की अदायगी।
2	एक वर्श में दो मुफत परिवार पास।
3	ठण्डी तथा गर्म वर्दियां जिसमें जूते भी भाामिल हैं।

4	वर्दियां धोने का भत्ता।
5	ओवरटाईम भत्ता।
6	वर्कमैन कम्पनसे ान एक्ट के तहत मुआवजा।
7	ग्रैच्यूटी की पैमेन्ट आफ ग्रेच्यूटी एक्ट 1973 के अधीन अदायगी।

श्री अमर सिंहः क्या मंत्री महोदया यह बताने की कृपा करेगी कि यह जो वर्दियां दी जाती है ये कितने साल के लिये दी जाती है।

श्रीमति प्रसन्नी देवीः गर्म वर्दी तीन साल के बाद एक दी जाती है और ठंडी वर्दी जो टैरिकोट की होती है साल में एक दी जाती है।

चौधरी फूल चन्द मुलानाः मंत्री महोदया बताएंगी कि उन्होंने वर्करों की फैसेलिटीज तो बढा दी तो क्या उनसे सुचारू रूप से काम लेने के लिए भी कोई साधन जुटाए जा रहे है?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः ऐसी कोई बात नहीं है काम तो ठीक ढंग से ही लिया जाता है।

चौधरी दल सिंहः मंत्री महोदया के जवाब से पता चलता है कि उन्होंने 31–5–68 से 31–5–74 तक 5181 मुलाजम और रखे। तो क्या इनकी डिस्ट्रिक्ट वाइज ब्रेक–अप बतलाने की कृपा करेंगे?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदया बताएंगी कि चूंकि गवर्नमैंट ने 10 हजार की बजाए रोड टैक्स 30 हजार कर दिया है तो क्या वर्करों को बोनस ज्यादा दिया जायेगा?

विकास मंत्री (कर्नल महा सिंह): बोनस के लिए हमारा एग्रीमेंट 12 परसैन्ट का है। वह हम दे रहे है और यह एग्रीमेंट 1976 तक का है तब तक देंगे।

चौधरी फूल सिंह कटारियाः जैसे मंत्री महोदय ने बताया कि गर्म वर्दी तीन साल के बाद एक दी जाती है और ठंडी वर्दी एक साल के बाद एक दी जाती है यह मात्रा बहुत कम है क्या और वर्दिया दी जाएगी?

कर्नल महा सिंहः पहले हम ठंडी वर्दी साल में दो दिया करते थे लेकिन वर्करज की फरमाय ा थी कि उन्हें टेरिकाट की वर्दी दी जाए, इसलिए साल में एक कर दी। गर्म वर्दी तीन साल के लिये एक बहुत होती है। मैं आर्मी में रहा हूं और मेरा तजुरबा है कि एक वर्दी तीन साल के लिये बहुत होती है।

चौधरी ि ाव राम भार्माः क्या मंत्री महोदया बताएंगी कि बसों में ओवर काउडिंग की वजह से कंडक्टर की टिकट काटने में दिक्कत होती है तो इसके लिए कोई प्रबन्ध किया जाएगा और क्या उनको कुछ एक्स्टरा भी दिया जाएगा?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः ऐसी दिक्कत वाली बात तो कोई नहीं है बाकी जो काम वे करते हैं उसके लिए उनको पैसे मिलते ही है।

कर्नल महा सिंहः कोि ा ा की जा रही है कि सब टिकटें सब डिपोज से ही काट दी जाया करें ताकि कंडक्टर को रास्ते में कम टिकटें काटनी पडें।

श्री के0एन0 गुलाटीः क्या मंत्री महोदया बताएगी कि क्या यह सच्च है कि ये कंडक्टर और ड्राईवर रास्ते में से पुलिस स्टाफ को चढा लेते हैं लेकिन अगर कोई एमएलए अपना आइडैंटिटी कार्ड भी दिखलाए तब भी नहीं चढाते?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः ऐसी बात नहीं होती है। एमएलए वाली बात हो ही नहीं सकती। अगर मैम्बर साहब के साथ कोई खास घटना हुई हो तो बताएं हम पता करवा लेंगे।

श्री गिरी ा चन्द्र जो ीः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि वर्करों को रहने के लिये मकानों की सुविधा देने का भी कोई इरादा है?

कर्नल महा सिंहः इरादा तो है लेकिन वक्त जरूर लगेगा।

चौधरी पीर चन्दः क्या मंत्री महोदया बताएगी कि इन्होंने मुलाजमों के जो आंकडे बताएं है उनमें हरिजन कितने मुलाजिम है?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः इसके लिये अलग से नोटिस चाहिये।

चौधरी दल सिंहः क्या मंत्री महोदया बताएंगी कि बसों में ओवर काउडिंग होती है तो क्या उसके लिये कोई परसैटेज फिक्स करेंगे कि इतने परसैंट से ज्यादा ओवर लोडिंग नहीं होगी?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः हमने परसैंटेंज मुकर्रर करके देख ली है लेकिन उसके बावजूद भी लोग ड्राइवर और कंडक्टर की बात नही चलने देते जबरदस्ती चढ जाते हैं।

श्री अमर सिंहः क्या मंत्री महोदया बताएंगी कि ड्राईवर और कंडक्टरों के लिये डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टरों पर रहने के लिये जगह का प्रबन्ध है।?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः हम चाहते हें कि वर्करों के रहने के लिये हर जिल में जगह हो लेकिन जैसे जैसे पैसे का इन्तजाम हो रहा है हम बना रहे है। इसमें टाईम जरूर लगेगा।

चौधरी चांद रामः क्या मंत्री महोदया बताएंगी कि वर्करों को जब इतनी सुविधाएं दी हुई है तो उन्होंने हडताल का नोटिस क्यों दिया?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः ऐसी कोई बात नहीं है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः जैसे मंत्री महोदय ने बताया कि टिकट अडडे से ही कट जाया करेंगे तो मैं पूछना चाहता हूं कि रास्ते की सवारियों का क्या होगा?

श्रीमति प्रसन्नी देवीः आनरेबल मैंबर ने भाायद अच्छी तरह से सुना नहीं। मिनिस्टर साहब ने यह कहा था कि कोि ा ा की जा रही है कि अडडे से ही टिकट काट दियै जाया करें लेकिन जो सवारियां रास्ते में चढे उनके टिकट कंडक्टर रास्ते में ही काटेगा।

चौधरी चांद रामः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि क्या एम्पलाइज और गवर्नमैंट के बीच में कोई ऐसी म ाीनरी है जो एम्पलाइज की दिक्कतों को बता सकें?

कर्नल महा सिंहः इसके लिये डिपार्टमैंट भी है, एडवाइजरी कमेटी भी बनी हुई है और वर्करों की यूनियन भी है उससे भी सलाह की जाती है?

चौधरी राम लाल वधवाः क्या वजीर साहिब बताएंगे कि इस डिपार्टमेंट में कुछ वैलफेयर अफसर भी मुकर्रर किए हुए हैं?

कर्नल महा सिंहः हमारे हां वैलफैयर अफसर की पोस्ट तो नहीं है लेकिन हम किसी डिपो से किसी इन्सपैक्टर को वैलफैयर अफसर का काम करने के लिए मुकर्रर कर देते है।

Promoting of Welfare Activities

***926. Shri Girish Chander Joshi:** Will the Minister for Social Welfare and Taxation be pleased to state the steps, if any, being taken by the state Government for promoting welfare activities of the working class?

Development Minister (Col. Maha Singh): To promote welfare activities of the working class, Government have set up Labour Welfare Centres at important industrial centres in the State, a Holiday Home at Mussoorie and Housing Colonies. A mobile van equiped with an X-Ray Plant and a Laboratory, etc. has also been provided. Government also organize sports and cultural activities for the working class.

चौधरी चांद रामः क्या वजीर साहब बताएंगे कि जो लेबर वैलफैयर सैंन्टर्ज हैं उन में क्या क्या वैलफैयर का काम होता है।

कर्नल महा सिंहः जो मजदूरों के वैलफैयर सैंटर्ज है वहां पर लेबर के बच्चों के लिए खेलकूद के साधन होते हैं दूसरे उनकी लेडीज को एम्ब्रायडरी और सीने परौने का काम सिखाया जाता है इसके साथ ही साथ कई जगहों पर हम कोआपरेटिव कंज्यूमर स्टोर भी खोलने की कोि ा ा कर रहे है।

श्री गिरी ा चन्द्र जो ीः क्या वजीर साहब बताएंगे कि जैसे बम्बई और यूपी में क्लास 1, 2 और 3 के लेबर सैंटर्ज खुले हुए हैं उसी किस्म से हरियाणा में भी हमारी सरकार का खोलने का इरादा है?

कर्नल महा सिंहः इस वक्त मुझे इस बात की जानकारी नहीं है कि बम्बई और यूपी में कैसे है लेकिन हम उनकी स्टडी करके उसी पैटर्न पर खोलने की कोि ा ा करेंगे।

चौधरी चांद रामः क्या वजीर साहब बताएंगेस कि मंसूरी में जो मजदूरों के लिए हालीडे होम खोला है वहां पर उनको क्या क्या फैसिलिटीज दी जाती है?

कर्नल महा सिंहः वहां पर जो वर्कर जाते हैं उन को फ्री रा ान और खाने पकाने के लिए बरतन वगैरा भी फ्री मिलते हैं और किराया पांच आदमियों तक एक तरफ का इंडस्ट्रियलिस्ट देते है और एक तरफ का सरकार देती है।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या वजीर साहब बताएंगे कि पिछले तीन महीनों में वहां पर लेबर के लोग कितने गए हैं?

कर्नल महा सिंहः इस के लिए नोटिस चाहिए, वैसे मैं इतना कह सकता हूं कि काफी गए हैं

चौधरी राम लाल वधवाः क्या यह वही आराम भवन नहीं जिस पर हम ने एतराज किया था और एतराज के बाद उसी का नाम लेबर सैंटर रख दिया गया है?

कर्नल महा सिंहः नहीं जी यह बात गलत है।

चौधरी पीर चन्दः क्या वजीर साहब बताएंगे कि यह वहीं एकांत हाउस है या कोई अलैहदा लेबर हालीडे हाउस बनाया है।

कर्नल महा सिंहः स्पीकर साहब, वह पीडब्ल्यूडी की बिल्डिंग है और यह लेबर के लिए अलग बनाया गया है। इन दो चीजों को साथ नहीं मिलाया जा सकता।

Lands of Harijans

***943. Chaudhri Chand Ram:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether any letter was issued by the Punjab Govt. in 1956 directing the Irrigation authorities to lease out cultivable lands of the said department to Harijans and others; if so, a copy of the same be placed on the Table of the House; and

(b) whether such lands are given to Harijans and the landless persons on lease in the State?

Minister of State for Irrigation & Power (Sardar Harmohinder Singh Chatha):

(a) Yes, a copy of the said letter is placed on the table of the House.

(b) 50% land is reserved initially for leasing to Harijans but if Harijans do not come forward for bidding, then this too is leased to others.

Copy of letter No. 3455-62/Rev/74-18 dated 12-9-56 from the Chief Engineer, Irrigation Works, Punjab, Chandigarh to all the Superintending Engineers I.B. (R.C.) Punjab.

Subject: Lease of culturable land belonging to I.B.

Reference: In supersession of this office letter No. 2806-13/Rev/74/18 dated 12-7-56.

The Council of Ministers in their meeting held on 11-7-56 have taken the following decision on the subject cited above.

(a) 50% of the land available for lease will be reserved for Harijans. The existinig Harijan lesses will be allowed renewal of their respective leases if they pay the average of the these money received by Government during the last three years. The rest of the land will be leased through auction exclusively among Harijans.

(b) The remaining 50% of the land available for lease will be given to Non Harijans. The existing lessees will have the right to countinue if they pay the average of the lease money received by Government during the last three years. The rest of the land will be leased through auction amongst Non-Harijans.

2. This decision would apply to all Government land belonging to the PWD Irrigation Branch wherever they may be situated irrespecitve of their distance from the Pakistan Border.

3. All future temporary leases of Government land in the contol of Irrigation Brach should be regulated accorindly. The 50% portions to be reserved for Harijans should be selected by Xen so as to represent the average type of land in area.

4. You are requested to give notice of auction in local Dailies through Director, Public Relations in December each year and then auction the land in January next so that all formalities can be completed before the crop year actually sets in.

5. These instructions should be strictly adhered to in future and any deligency in this regard will be seriously viewed.

All Xens be accoringly informed.

चौधरी चांद रामः क्या वजीर साहब बताएंगे कि अगर उनके नोटिस में ऐसे केसिज लाए जाएं कि जो जमीन पहले हरिजनों को का त के लिए दी हुई थी लेकिन अब फारेस्ट डिपार्टमैंट वाले उनको का तक नहीं करने देते, उन हरिजनों को वह जमीन वापिस दिलाई जाएगी?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): इस बात की जांच करवाई जाएगी अगर सरकार के नोटिस में कोई ऐसा केस लाया जाएगा।

श्री अमर सिंहः सन 1956 में कौंसिल आफ मिनिस्टर्ज ने 50 फीसदी जमीन हरिजनों को देने का फैसला किया था तो मैं पूछना चाहता हूं कि अब तक 18 साल के अरसे में गवर्नमैंट ने कितनी जमीन हरिजनों को दी है।

श्री बनारसी दास गुप्तः स्पीकर साहब, 1974–75 की फिगर्ज मेरे पास है उस के मुताबिक 2108.73 एकड जमीन हमारे पास थी जिस में से 584.11 एकड जमीन हरिजनों को दी गई है।

चौधरी दल सिंहः क्या वजीर साहब बताएंगे कि महकमा नहर और पीडब्ल्यूडी से ताल्लुक रखने वाली कुल ऐसी कितनी जमीन है जिसमें से 50 परसैंट हरिजनों को देनी है?

श्री बनारसी दास गुप्तः जो लेटैस्ट फिगर है वह 2108.73 एकड है।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या वजीर साहब बताएंगे कि यह जो 584 एकड जमीन हरिजनों को दी गई है इस के मालकाना हकूक भी हरिजनों को दिए गए है या कि उनके पास लीज पर ही है?

श्री बनारसी दास गुप्तः उन के पास लीज पर है।

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब, 2108.73 एकड का 50 फीसदी तो 1100 एकड के करीब बनता है क्या वजीर साहब बताएंगे कि उनको सिर्फ 584 एकडस ही क्यों दी गई है?

श्री बनारसी दास गुप्तः यह इसलिए कि हरिजन लोग बोली देने के लिए कम आए होंगे?

श्री अमर सिंहः क्या सरकार के पास कोई ऐसी कम्पलैंट भी आई है जहां हरिजन बोली देने के लिए आए थे मगर उनको जमीन नहीं दी गई?

श्री बनारसी दास गुप्तः ऐसी बात हमारे नोटिस में नहीं आई, अगर मैम्बर साहब कोई स्पैसिफिक केस हमारे ध्यान में लाएंगे तो उस की जांच करवा ली जाएगी।

चौधरी चांद रामः क्या वजीर साहब बताएंगे कि यह जमीन उनको साल दर साल पटटे पर दी जाती है या कि पांच दस साल के लिए इक्टठी ही दी जाती है।

श्री बनारसी दास गुप्तः हर साल पटटे पर दी जाती है।

श्री अमर सिंहः क्या सरकार की कोई ऐसी प्रपोजल है कि 50 फीसदी जमीन जो इरीगे ान डिपार्टमैंट की है उसके मालिक हरिजनों को बना दिया जाए?

श्री बनारसी दास गुप्तः फिलहाल सरकार की कोई ऐसी प्रपोजल नहीं है।

चौधरी फूल सिंह कटारियाः ज्यादा पटटा होने की वजह से चुंकि हरिजन बोली देने के लिए तैयार नहीं होते, इसलिए उस जमीन की कीमत कम करने के लिए सरकार का कोइ विचार है?

श्री बनारसी दास गुप्तः इस की कोई कीमत नि चत नहीं है जो भूमि लीज पर हरिजनों को दी जाती है उस की बोली होती है इसलिए कीमत कम करने का इस में सवाल नहीं पैदा होता।

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब, जो 1956 का लैटर है उसके ए भाग में लिखा है कि आटोमैटीकली रिन्यू हो जाएगी तो मैं पूछना चाहता हूं कि अगर पिछले साल वह जमीन हरिजन के पास है तो उस को दोबारा लेने के लिए उसे दोबारा दरखास्त क्यों देनी पडती है?

श्री बनारसी दास गुप्तः ऐसा है कि उस से पहले अगर उस जमीन पर कोई और किसान बैठा हुआ हो तो पिछले तीन साल

की लीज मनी की औसत निकालकर उसी दर पर उनको जमीन पटटे पर दे दी जाती है।

श्री अमर सिंहः अगर कोई हरिजन लगातार तीन साल से जमीन को बो रहा है तो क्या वह जमीन उसी को ही दे दी जाएगी या किसी और को दै दी जाएगी?

श्री बनारसी दास गुप्तः यदि वह लेना चाहता हैं तो जैसा मैंने पहले बतलाया उसी आधार पर उसी को दे दी जाएगी।

Augmenting the Resources of the Local Bodies

***945. Chaudhri Surjit Singh Mann:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether nay steps have been initiated by the Government to augment the resources of the local bodies in the State enabling them to take up development projects for the urban areas, if so, the details thereof?

State Minister for Co-operation and Local Government (Chaudhri Goverdhan Dass Chauhan): Yes, the following steps have been taken-

A duty at the rate of 2% has been imposed on the transfer of immovable properities within the limits of Municipal/Notified Area Committees. A committee was set up to revise the Model Octroi Schedule to improve the income of local bodies from this source. Its report has been received and is under consideration of the Government. Also, a Committee on

Resources has been constituted by Government to suggest measures for mobilization of additional resources for local bodies in the State. Further steps will be taken after the report of this Committee is received.

चौधरी राम लाल वधवाः क्या वजीर साहब बताएंगे कि क्या उस कमेटी की अपनी रिपोर्ट देने के लिए कोई टाइम फिक्स किया गया है कि इस समय के अन्दर अपनी रिपोर्ट दे?

चौधरी गोर्वधन दास चौहानः नहीं, कोई टाइम फिक्स नहीं किया गया है।

चौधरी सुरजीत सिंह मानः क्या वजीर साहब बतायेंगे कि करनाल म्यूनिसिपल कमेटी में जब से एडमिनिस्ट्रेटर आया है उस वक्त से उसकी इनकम बढी है पहले क्या इनकम थी और अब जब से वह आया है क्या इनकम है?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): करनाल म्यूनिसिपल कमेटी के सुपरसीड होने से पहले 3729330 रूपये आय थी और इस वक्त तो बढी है वह फिग्र्ज इस वक्त अवेलेबल नहीं है। मंगाने की तो कोि ा ा की थी लेकिन पहुंच नहीं पाई हैं लेकिन यह बात नि चत है कि इन्कम काफी बढी है।

Chief Minister (Chaudhri Bansi Lal): Now the income is more than seventy-five lakhs.

चौधरी दल सिंहः क्या वजीर साहब बतायेंगे कि दो फीसदी जो फीस उन्होंने बढाई है इससे हरियाणा में कमेटियों को कितनी आमदनी हो जायेगी?

श्री बनारसी दास गुप्तः अभी इस बात का अनुमान नहीं लगाया गया है। इसी साल से यह लागू हुई है।

श्री गिरी ा चन्द्र जो ीः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि इन्डस्ट्रीयल रा–मैटीरियल पर जो आक्ट्राई लगाती है इस में एगजैम्प ान भी होती है और यह एग्जैम्प ान किस आधार पर दी जाती है?

श्री बनारसी दास गुप्तः अध्यक्ष महोदय, इस बात की पूरी डिटेल मेरे पास इस वक्त नहीं है परन्तु मैं सदन के सामने यह फैक्ट रखना चाहता हूं कि सरकार ने एक कमेटी बनाई थी तमाम हरियाणा में यूनिफार्म रेटस आफ आक्ट्राई निि चत करने के बारे में और सुझाव देने के लिए और उस कमेटी की रिपोर्ट आ चुकी है। उसे हमारा डिपार्टमैंट एग्जामिन कर रहा है। एग्जामिन हो जाने के बाद उसे तुरन्त लागू कर दिया जायेगा।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या वजीर साहब बतायेंगे कि यह जो उन्होंने और चीफ मिनिस्टर साहब ने भी कहा कि आमदनी बढी है तो क्या उस आमदनी में वह कर्जा भी भाामिल है जो सरकार कमेटियों को देती है और अगर भाामिल है तो सुपरसीड होने से पहले कितना दिया गया और बाद में कितना दिया गया?

श्री बनारसी दास गुप्तः अध्यक्ष महोदय, मैंबर साहब को पता होना चाहिए कि इनकम में कर्जा तो भाामिल नहीं होता।

चौधरी राम लाल वधवाः आप देख लें, इसमें कर्जा भाामिल है। यह टोटल बजट, आमदन बता रहे है।

Scarcity of Essential Commodities

***803. Chaudhri Ram Lal Wadhwa:** Will the Minister for Social Welfare and Taxation to pleased to state-

(a) whether the Government is aware of the fact that there is a scarcity of the essential commodoties i.e. vanaspati ghee, coal, kerosene oil, diesel and sugar in the state;

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken by the Government to overcome the shortage of the above said essential commodities; and

(c) the details of recommendations made to the Central Government; if any, by the State Government to check the prices of essential commodities as referred to in part(a) above?

Social Welfare and Taxation Minister (Shri Shyam Chand):

(a) Government is aware of scarcity of essential commodities

(b) and (c) A statement containing the requisite information is placed on the Table of the House.

STATEMENT

(b) (i) Vegetable Ghee

Distribution of vegetable ghee used to be made against ration cards or permits issued by the competent authority. On trial basis, control on distribution of 90% stocks was lifted w.e.f. 16.4.74 and this experimental measure is to remain in force till end of July, 1974. Balance 10% stocks are reserved for issue of permits for meeting the demand of Government, Semi-Government Institutions, Jails, Hospitals and Government Restaurants etc. Initially,this experiment improved the supplies position but later due to high cost of production and the prices reportetd to be un-economical, the production and /consequently supplies dwindled. The Government of India having revised the prices of Vegetable ghee w.e.f. 15.06.74 supplies of vegetable ghee are likely to improve.

(ii) Coal

The State Government has been constantly pressing the Government of India as also the Railways to expendite movement against out sponsored programme. Incentives have also been allowed to Coal Agents on the sponosored list in the form of allowing them to sell 50% of stocks imported by them in free sale with a veiw of encouraging/maximising imports/availability of stocks of coal in the State.

(iii) K.Oil and Diesel

There has been some shortage of Kerosene oil and diesel temporarily during the month of March, 1974 but with

timely action the situation improved considerable and there are now no reports of shortage of K.Oil and diesel.

(iv) Sugar

The State Government had been requesting the Govt. of India for increasing monthly allotment of levy sugar, but the Central Government has regretted its inability to increase the monthly quota. Rather they have decreased the quota since June, 1974 as a result of which sugar will now be distributed at the rate of 360 grams per head per month instead of 400 grams which was the quantum so far. The Govt. of India is again requested to increase our sugar quota.

(c) (i) Vegetable Ghee

It is essentially the price factor which determined the availability or scarcity of vegetable ghee in the market. The Government of India having increased the prices w.e.f. 15.06.74 the situation is likely to improve.

(ii) Coal

Prices of coal are controlled by the Coal Mining Authority. Steps taken encourage/maximise imports of coal have already been indicated against (b) above.

(iii) K.Oil and Diesel

Calls for no comments as there is no shortage of kerosene oil and diesel at present.

(iv) Sugar

Price of levy sugar is fixed by the Govt. of India which is lower than the price of levy free sugar available in the market. The prices of levy sugar and levy free sugar prevailing at present are Rs. 2.15 and Rs. 4.30 per kg. respectively.

चौधरी राम लाल वधवा: क्या वजीर साहब बतायेंगे कि जो स्टेपस उन्होंने प्रपोज किये हैं और लिए गए है उन से स्केर्सिटी घटी है या बढी है?

Shri Shyam Chand: Sir, the position in Haryana is much better as compared to other states.

चौधरी दल सिंह: क्या वजीर साहब बतायेंगे कि भाहरों में तो चीनी बाकायदा मंथली या वीकली देते हैं क्या गांव के अन्दर भी ऐसा प्रबन्ध किया है?

Shri Shyam Chand: From this month 360 grams per head per month.

श्री के0एन0 गुलाटी: सरकार ने जो इस बारे में कदम उठाये हैं वे ठीक है इस में कोई भाक नहीं लेकिन मैं फिर भी पूछना चाहता हूं कि जैसे भूगर की पालिसी है कि कुछ कंट्रोल पर और कुछ ओपन मिलती है जिससे लोगों को कुछ सुविधा मिली है तो क्या दूसरी असैंि ायल कमोडिटीज पर भी यही स्कीम लागू करने का विचार है?

Shri Shyam Chand: Sir, the Government cannot frame such a policy because the other policy was framed by the

Government of India keeping in view the possibility of earning foreign exchange.

चौधरी दल सिंहः क्या यह सच है कि गांव में रहने वालों को चीनी मुतवातर नहीं मिलती अगर यह सच है तो क्या ऐसा प्रबंध करने के लिए तैयार है कि गांव में मुतवातर चीनी मिले?

श्री भयाम चन्दः यह बात सच नहीं है।

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, बडी हैरानी की बात है कि वजीर साहब कहते है कि यह सच नहीं है लेकिन हाल यह है कि गांव के लोगों को चीनी नहीं मिलती।

Shri Shyam Chand: The hon. Member may bring that to my notice. I am prepared to institute an enquiry if there is any such complaint.

चौधरी मेहर चन्दः क्या वजीर साहब बतायेंगे कि हरियाणा सरकार की तरफ से जो डिस्ट्रीब्यू ान अरैंजमैंट है असैं ि ायल कमोडिटीज के बारे में वह ऐसा पक्का है कि गरीबों को उनकी जरूरत की चीजें दस्तयाब हो जाती है।

Shri Shyam Chand: Sir, Government tries to distribute every essential commodity through the fair price shops.

चौधरी पीर चन्दः क्या वजीर साहब बतायेंगे कि दूसरी असैं ि ायल कमोडीटिज की तरह साबुन को भी बडी भाार्टेज है यह भी क्या डिपुओं पर देने का प्रबन्ध करेंगे?

श्री भयाम चन्दः साबुन असैंि ायल कमोडिटी नहीं है।

श्री अमर सिंहः क्या वजीर साहब बतायेंगे कि कैरोसीन आयल, साफट कोक वनास्पति वगैरा जिन चीजों की भाार्टेज है उनकी कीमतें पिछले साल से दुगनी तिगुनी हो गई है?

Shri Shyam Chand: There is no shortage of kerosene oil in the State of Haryana. But I agree with the hon. Member that there is shortage of vanaspati ghee because of shortage of electricity and raw material.

चौधरी फूल सिंह कटारियाः क्या वजीर साहब बताएंगे कि भाहरों में तो वनास्पति घी डिपुओं पर मिल रहा है लेकिन दिहात में भाार्टेज है तो दिहात में भी इस प्रकार देने का विचार है?

श्री भयाम चन्दः जहां पर डिमांड होती है वहां पर देते हैं।

चौधरी फूल सिंह कटारियाः क्या वजीर साहब के नोटिस में यह बता है कि गांव में घी मिल रहा है और वहां पर कोई इसकी जरूरत नहीं है?

श्री भयाम चन्दः दिहात में लोग गाये भैंस रख लेते है और उनका गुजारा चल जाता है इसलिए वहां पर इतनी डिमांड नहीं है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः क्या वजीर साहब बतायेंगे कि जो असैंि ायल कमोडिटी हैं उनकी कीमतों में पिछले साल से कितना फर्क हो गया है कितनी बढी है?

Shri Shyam Chand: Sir, it varies from commodity to commodity.

श्री अमर सिंहः क्या वजीर साहब बतायेंगे कि पिछले साल साफट कोक क्या भाव था और इस साल क्या है?

श्री भयाम चन्दः इस के लिए सेपेरेट नोटिस दें।

श्री अमर सिंहः इसके लिए सैपेरेट नोटिस की जरूरत नहीं क्योंकि इसी सवाल के पार्ट ए में पूछा हुआ है—

"(a) whether the Goverment is aware of the fact that there is a scarcity of the essential commodities i.e. vanaspati ghee, coal, kerosene oil, diesel and sugar in the State.

और कीमतों के बारे में भी दूसरे पार्ट में पूछा हुआ है।

Shri Shyam Chand: Sir, any increase in prices of these essential commodities is done by the Government of India. We do not come into the picture at all.

GOVERNMENT LIVESTOK FARM, HISSAR

***786. Shri Amar Singh:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) the total number of cattle including milch cattle in Government Livestock Farm, Hissar as on 1st January, 1973 and as on 1st January, 1974, seperately; and

(b) the total number of milk produced by the said Farm month wise from 1st October, 1973 to date and the process of disposal of the said milk?

कृशि मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) 1. 1—1—1973 को 6228

2. 1—1—1974 को 4446

(ख) पहला भाग

एक सुचि सदन के सम्मुख प्रस्तुत की जाती है।

दूसरा भाग

राजकीय प ुधन फार्म हिसार पर उत्पादित दूध हिसार की जनता को कन्ट्रक्टर (हिसार कन्जूमर सोसायटी) के माध्यम से बेचा जा रहा है।

सूचि

मास	लिटरों में कुल उत्पादन
10/73	95736—5
11/73	78370—0
12/73	81218—0

1/74	91559–0
2/74	92148–5
3/74	122674–5
4/74	123660–0
5/74	97513–0
कुल	782879–5

चौधरी दल सिंहः वजीर साहब के उत्तर के मुताबिक वहां पर 1–1–73 को 6228 और 1–1–74 को 4446 प ाु थे तो मैं यह जानना चाहता हूं कि यह जो कमी हुई है इसका क्या कारण है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, लाइव स्टाक फार्म में प ाुओं की संख्या में कमी होने का कारण यह है कि हमने महसूस किया कि हमारे पास जमीन थोडी है इस लिए उनके लिए फीडर वगैरा की कठिनाई थी इसलिए हमने एक कमेटी बना कर इस साल में कोई 18/19 सौ प ाु बेचे है।

श्री अमर सिंहः जवाब में दूध की जो प्रोडक ान बताई गई है उसके अनुसार यह एक अप्रैल 1974 को 123660 लिटर और मई 1974 में 97513 लिटर थी। मैं यह पूछना चाहता हूं कि यह जो इतनी कमी हुई है इसका क्या कारण है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जैसा मैने बताया कि पिछले साल की निस्बत इस साल प ा कम रहे और दुधारू प ाओं की तादाद भी कम है। अगर दुधारू प ाओं की तादाद ज्यादा हो जाती है तो दूध ज्यादा हो जाता है और अगर कम हो जाती है तो दूध कम हो जाता है यह प ाओं पर डिपैंड करता है।

चौधरी दल सिंहः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो प ा सरकार ने फरोखत किए हैं उन से सरकार को कितनी आदमनी हुई है? इसके अलावा यह भी बताएं कि प ा बेचने का मक्सद क्या है क्या हेराफेरी करने की बात थी?

चौधरी भजन लालः चौधरी दल सिंह जी का दिमाग हेराफेरी में ही रहता है इन्सान जैसा खुद है वैसा ही दूसरों के बारे में समझता है। हेराफेरी वाली बात नहीं है। बात यह है कि प ा बेचने का एक नाम फिक्स किया हुआ है। अगर किसी गाय भैंस का दूध स्टैडर्ड से कम हो जाए या थन वगैरा में कोई नुक्स हो जाए तो उसको बेच देते हैं। इसके लिए एक कमेटी बनी हुई है। डिप्टी कमी नर मौके पर मौजूद होता है। एक फाइनैंस डिपार्टमैंट का आदमी होता है। एक फार्म का होता है एक एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी का आदमी होता है। यह कमेटी बाकायदा हर चीज देखती है और ओपन नीलामी होती है ओपन नीलामी में जो बढ कर नीलामी देता है उसको बेचते है।

श्री ओम प्रका ा गर्ग: क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि फरोखत करने से पहले कोई तहरीर करवाई जाती है क्या अखबार में निकाला जाता है कि नीलामी हो रही है?

चौधरी भजन लाल: हम बाकायदा अखबार में देते हैं और हर महीने की एक डेट फिक्स की हुई है कि उस डेट को यानी हर महीने के पहले मंगलवार को प ुओं की नीलामी करनी है ताकि हर आदमी को नीलामी का टाइम और डेट का पूरा पता हो।

चौधरी दल सिंह: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने पहले सवाल के जवाब में फरमाया था कि जमीन की कमी होने से कमी हो गई इसलिए प ु बेच दिए। इसी तरह दूसरे सवाल के जवाब में फरमाया कि प ु नकारा हो जाते हैं इसलिए बेच दिए। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि इन दोनों उतरों में से कौन सा उत्तर ठीक है?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, दोनो ही उत्तर ठीक है। जो प ु दूध कम देने वाले होते हैं उनको पहले बेचते है।

श्री अमर सिंह: क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि 1973–74 में प ुओं की मैन्टेनैंस करने में कितना खर्च आता है और कितना बैनिफीट हुआ है?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, इस फार्म में प ु रखने का मतलब यह नहीं है कि बिजनैस प्वायंट आफ व्यू के ख्याल से प ु रखे जाएं। पहले इस फार्म का मतलब यह था कि अच्छी नसल के बैल पैदा किए जाएं। बाद में जब बैलों की डिमांड कम हो

गई और ट्रैक्टर वगैरा और अन्य यंत्र आ गए तो बैलों की डिमांड कम हो गई। उसके बाद हमने फैसला किया है कि दूध पैदा करने वाले प ा रखे जाएं। अब दूध पैदा होता है और इस पर हर साल खर्चा होने का अन्दाजा 40 लाख रूपए के करीब है और 35–36 लाख के करीब आमदनी होती है। 4–5 लाख रूपए की कमी हो सकती है लेकिन यह घाटे वाली बात नहीं है क्योंकि प ा यानि बछे और बछियां भी बढती रहती है।

चौधरी मेहर चन्दः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि हिसार फार्म से मिल्क डिस्ट्रीब्यू ान का जो मौजूदा सिस्टम है उसकी वजह से कंज्यूमर्स पर एडी ानल बर्डन कितना बढा है।

चौधरी भजन लालः एडी ानल बर्डन की तो इस में कोई बात नहीं है। हिसार से गाय के दूध का रेट 1.56 रूपए है और भैंस के दूध का रेट 2.00 रूपए है। कोआप्रेटिव सोसायटियों के थ्रू जो डिस्ट्रिब्यू ान होता है उस में सोसायटी को 6 पैसे कमी ान देते हैं और यह कमी ान इसी रेट में से देते हैं कंज्यूमर्ज से अलग से नहीं लेते।

चौधरी चांद रामः जैसा कि मंत्री महोदय ने बताया कि 40 लाख का खर्चा बैठता है और 35 लाख की आमदनी होती है। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि 5 लाख का घाटा किस हिसाब से होता है? क्या देहात में भी इसी हिसाब घाटा होता है?

चौधरी भजन लालः 5 लाख के घाटे में भी देहाती भाईयों को बडा फायदा है क्योंकि हम अच्छी नसल के सांड पैदा करते है और एक सांड की कीमत दो हजार रूपए पडती है और हम 225 रूपए में पंचायतों को सांड देते हैं ताकि हर गांव में पंचायतें खरीद कर अच्छी नसल के बैल और गाये पैदा कर सकें।

चौधरी चांद रामः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि गांवों में लोग जो सांड छोडते हैं वे ज्यादा कैपेबल होते है या आपके सांड कैपेबल होते हैं

चौधरी भजन लालः हमारे वाले उन से कई दर्जे अच्छे होते है।

चौधरी ि ाव राम भार्माः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया कि फार्म में प ाु घट रहे है और दूध की पैदावार भी घट रही है। क्या यह सफेद कान्ति लाने की तरफ कदम है?

चौधरी भजन लालः 1966–67 में जब हरियाणा बना था उस वक्त फार्म में 5 हजार प ाु थे और दूध 798185 लीटर था। इस वक्त हमारे पास प ाुओं की तादाद 4446 है और दूध 13 लाख लिटर पैदा होता है जो कि काफी दूध में बढौतरी हुई है।

चौधरी फूल सिंह कटारियाः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि प ाुओं में भेडें भी आती है या नहीं? क्या हिसार फार्म मे भेडों के लिए कोई इन्तजाम है?

चौधरी भजन लालः गवर्नमेंट लाईव स्टाक फार्म हिसार में भेडें भी है।

चौधरी मेहर चन्दः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने फरमाया है कि मिल्क की डिस्ट्रिब्यू ान का अरैंजमैंट थ्र कोआप्रेटिव सोसायटीज है और उन कोआप्रेटिव सोसायटियों को 6 पैसे कमी ान देते हैं क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि यह एजैंसीय बीच में से एलिमिनेट नहीं हो सकती। क्या डिस्ट्रिब्यू ान वैसे नहीं हो सकता जैसे पहले होता था? क्या ऐसा करने से प्राईस कम नहीं हो सकती, कंज्यूमर की कास्ट में कमी नहीं पड सकती?

चौधरी भजन लालः अगर गवर्नमेंट तकसीम करे तो उसे स्टाफ लगाना पडता है काफी खर्चा आता है। जो हम कमी ान देते हैं उसकी निस्बत खर्चा ज्यादा करना पडता है। हम हिसार में मिल्क प्लांट लगाने जा रहे हैं। जब मिल्क प्लांट लग जाएगा तो मिल्क प्लांट ही लोगों को सीधा दूध तकसीम करेगा।

चौधरी फूल सिंह कटारियाः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने कहा कि भेंडे भी हैं। देहातों में भेडों की बडी जरूरत है उन से ऊन की प्रोडक्ट ान होती है क्या मंत्री महोदय देहातों में ज्यादा भेंडे पालने के लिए गरीबों को कर्जा या सबसिडी देने पर विचार करेगी? जैसे सांड दिए जाते है ऐसे ही मेडें देने का विचार सरकार रखती है?

चौधरी भजन लालः भेडों के लिए पूरी सुविधा दे रहे हैं और पूरी कोि ा ा है कि गरीब आदमी भेडें पाल कर अपना गुजारा कर सकें।

चौधरी पीर चन्दः स्पीकर साहब, पहले दूध गवर्नमेंट के कर्मचारी तकसीम करते थे और अब कोआप्रेटिव सोसायटीज की मारफत तकसीम करते है। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि कोआप्रेटिव सोसायटीज द्वारा तकसीम करने की क्यों आव यकता पडी? क्या पहले कर्मचारी गलत तकसीम करते थे गलत ढंग से बेचते थे?

चौधरी भजन लालः इसका मतलब यह नहीं है कि पहले गलत तकसीम करते थे। इसका मतलब यह है कि पहले गवर्नमेंट के पास काफी स्टाफ होता था। अब हमने प ाु पालने का प्रोग्राम बडा लम्बा चौडा बना दिया है और फार्म के बहुत से कर्मचारी प ाुपालन की तरह लगा दिए हैं। प ाु पालन की तरफ ज्यादा ध्यान दिलाया गया उनकी डयूटी उधर लगाई गई है। इससे कंज्यूमर पर बहुत ज्यादा खर्चा नहीं पड रहा बल्कि इससे सरकार को फायदा है और कंज्यूमर को भी।

Cases under Section 107/150

***813. Chaudhri Shiv Ram Verma:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the total number of cases registered and challanned separately by the Police Station Butana in District Karnal under Section 107/150 Cr. P.C. during the period from 1st March, 1973 to 28th February, 1974; and

(b) the total number of cases out of those referred to in part(a) above in which the Courts did not ask for security bonds?

गृह मंत्री स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्रीमति भारदा रानी):

(ए) धारा 107/150 सीआर पीसी के अन्तर्गत पुलिस द्वारा मुकदमें दर्ज नहीं किए जाते। बल्कि धारा 107/150 सीआर पीसी के अन्तर्गत पुलिस द्वारा न्यायालय में कलन्दरे पे ा किए जाते हैं। तिथि 1—3—73 से 28—2—74 तक धारा 107/150 सीआर पीसी के अन्तर्गत थाना बुटाना द्वारा न्यायालय में केवल तीन कलन्दरे पे ा किए गए थे।

(बी) तीन।

Quota of Stainless Steel

***791. Chaudhri Dal Singh:** Will the Minister for Industries be pleased to state-

(a) the number and names of Firms or persons to whom stainless steel quota was allotted during the years 1972-73 and 1973-74, separately; and

(b) the purpose for which stainless steel quota, as referred to in part(a) above was allotted to the Firms or persons during the years 1972-73 and 1973-74, separately?

Minister for Industries (Shri Harpal Singh):

(a) A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

(b) The stainless steel quota was allotted for the manufacturer of utensils.

STATEMENT

List of units to whom the allocation of stainless steel sheets of 22 SWG was made during 1972-73.

Sr. No.	**Names & address of the unit**
1	M/s Raghuvir Group of Industries, Charkhi Dadri
2	M/s Punjab Wire Netting Industries, Railway Road, Narnaul
3	M/s United Iron and Re-rolling Industries, Bhiwani
4	M/s Haryana Agriculture Industries, Sirsa
5	M/s Ever Bright Enterprises, Hissar
6	M/s Samrat Industries, Indl. Area, Sonepat
7	M/s Paramount Iron and Steel, Indl. Area, Sonepat
8	M/s Ajay Udyog, MIE, Bahadurgarh

9	M/s Sekhri Bros. MIE, Bahadurgarh
10	M/s Verma Engg. Works, Bahadurgarh
11	M/s Saraf Industries, Bahadurgarh
12	M/s National Steel Industries, Bahadurgarh
13	M/s Nirola Bors. (P) Ltd., Gurgaon
14	M/s S.S. Metal Works, Rewari
15	M/s Bhurania Bros. Rewari
16	M/s Bharat Darshan Steel Ltd., Jagadhri
17	M/s Allied Metal Products, Jagadhri
18	M/s D.N. Metal Industries, Jagadhri
19	M/s Kapur Metal Industries, Jagadhri
20	M/s Golden Metal Industries (Regd), Jagadhri
21	M/s Veer Metal Industries, Jagadhri
22	M/s Dharam Metal Rolling Mills, Jagadhri
23	M/s Brij Lal Badri Dass, Jagadhri
24	M/s Bajrang Metal Rolling Mills, Jagadhri
25	M/s Nand Lal Metal Works, Jagadhri
26	M/s Adrash Metal Industries, Jagadhri
27	M/s Dua Metal Industries, Jagadhri

28	M/s Globe Metal Industries, Jagadhri
29	M/s Ashoka Metal Industries, Jagadhri
30	M/s Sant Metal Industries, Jagadhri
31	M/s Agricultural Implements and Brass Utensils, Jagadhri
32	M/s Kawality Industries, Jagadhri
33	M/s Laj Industries, Jagadhri
34	M/s Deluxe Metal Industries, Jagadhri
35	M/s Balkishan Metal Works, Jagadhri
36	M/s Hakam Metal Industries, Jagadhri
37	M/s Santokh Metal Industries, Jagadhri
38	M/s Jai Ganesh Metal Industries, Jagadhri
39	M/s Ramesh Metal Works, Jagadhri
40	M/s R.K. Engineers, Jagadhri
41	M/s S.K. Metal Industries, Jagadhri
42	M/s Sunrise Metal Industries, Jagadhri
43	M/s Savita Metal Industries, Jagadhri
44	M/s Tilak Metal Works, Jagadhri
45	M/s Atri Metal Works, Jagadhri
46	M/s R.S. Goyal and Sons, Jagadhri

47	M/s Jai Hind Metal Industries, Jagadhri
48	M/s New Wadhwan Metal Industries, Jagadhri
49	M/s Ganpati Metal Works, Jagadhri
50	M/s Tulsi Metal Works, Jagadhri
51	M/s Ghan-Sham Dass & Borss. Jagadhri
52	M/s Krishan Metal Works, Jagadhri
53	M/s Krishan Engg. Industries, Jagadhri
54	M/s Jain Dhatu Udyog, Jagadhri
55	M/s Amrit Metal Industries, Jagadhri
56	M/s Nar Singh Metal Works, Jagadhri
57	M/s Bajaj Metal Works, Jagadhri
58	M/s Parbhat Industries, Jagadhri
59	M/s Raghbir Dayal Kailash Chand, Jagadhri
60	M/s Dewan Metal Works, Jagadhri
61	M/s Parmod Metal Works, Jagadhri
62	M/s Hira Metal Works, Jagadhri
63	M/s Subash and Co., Jagadhri
64	M/s Kailash Metal Industries, Jagadhri
65	M/s Darshan Metal Industries, Jagadhri

66	M/s Krishna Copper & Steel Rolling Mills, Jagadhri
67	M/s National Metal Industries, Jagadhri
68	M/s Gupta Metal Industries, Jagadhri
69	M/s The Lakshmi Metal Works, Jagadhri
70	M/s Desh Metal Works, Jagadhri
71	M/s Desh Rolling Mills, Jagadhri
72	M/s Surrendra Metal Works, Jagadhri
73	M/s Hari Naryan Metal Industries, Jagadhri
74	M/s Guranditta Mal Works, Jagadhri
75	M/s Ragunath Metal Industries, Jagadhri
76	M/s Hakumat Rai Mela Ram, Jagadhri
77	M/s Sudhir Metal and Engg. Works, Jagadhri
78	M/s Hira Lal Dev Dutt, Jagadhri
79	M/s Parmeshwari Metal Industries, Jagadhri
80	M/s Gandhiji Metal Rolling and Gen. Mills, Jagadhri
81	M/s Puran Chand Sarwan Kumar, Jagadhri
82	M/s Dayal Singh Khazan Singh, Jagadhri
83	M/s Shree Durga Metal Industries, Jagadhri
84	M/s Anand Metal Works, Jagadhri

85	M/s Punjab Metal Trading Co., Jagadhri
86	M/s Bright Metal Industries, Jagadhri
87	M/s Data Ram Ashok Kumar, Kaithal
88	M/s Sharda Metal Industries, Jagadhri
89	M/s Union Metal Industries, Jagadhri

STATEMENT (ii)

List of units to whom the allocation of stainless steel sheets of 24 gauge was made during 1973-74.

Sr. No.	**Names & address of the unit**
1	M/s United Iron and Re-rolling Industries, Hansi Road, Bhiwani
2	M/s Raghuvir Group of Industries, Rohtak Road, Charkhi Dadri Distt. Bhiwani
3	M/s Punjab Wire Netting Industries, Narnaul
4	M/s Allied Metal Products, Jagadhri
5	M/s Adrash Metal Industries, Jagadhri
6	M/s Bharat Dharshan Steel Ltd., Jagadhri
7	M/s Sant Metal Industries, Jagadhri

8	M/s Tilak Metal Industries, Jagadhri
9	M/s Atri Metal Works, Jagadhri
10	M/s Hira Lal Dev Dutt, Jagadhri
11	M/s Kapur Metal Industries, Jagadhri
12	M/s Bajaj Metal Works, Jagadhri
13	M/s Veer Metal Industries, Jagadhri
14	M/s Parvin Metal Industries, Jagadhri
15	M/s Nand Lal Metal Works, Jagadhri
16	M/s Bajrang Metal Rolling Mills, Jagadhri
17	M/s B.K. Metal Works, Jagadhri
18	M/s Agricultural Implements and Brass Utensils, Jagadhri
19	M/s Manjit Auto and Moulding Industries, Jagadhri
20	M/s National Steel Industries, Bahadurgarh
21	M/s Anand Metal Works, Jagadhri
22	M/s Krishna Engg. Industries, Jagadhri
23	M/s Krishna Metal Works, Jagadhri
24	M/s Ghanshyam Dass and Bros., Jagadhri
25	M/s Union Metal Industries, Jagadhri
26	M/s Tulsi Metal Works, Jagadhri

27	M/s S.S. Metal Industries, Jagadhri
28	M/s Golden Metal Industries, Jagadhri
29	M/s Sunbrash and Bros. Metal Works, Jagadhri
30	M/s Tilak Raj Harish Chander, Jagadhri
31	M/s Ganpati Metal Works, Jagadhri
32	M/s Hakumat Rai Mela Ram, Jagadhri
33	M/s Santosh Metal Industries, Jagadhri
34	M/s R.K. Engineers, Jagadhri
35	M/s Jai Ganesh Metal Industries, Jagadhri
36	M/s Kewal Kishan Hari Chand, Jagadhri
37	M/s Dewan Metal Industries, Jagadhri
38	M/s D.N. Metal Industries, Jagadhri
39	M/s Kohli Metal Industries, Jagadhri
40	M/s Dharam Metal Rolling Mills, Jagadhri
41	M/s Krishan Copper & Steel Rolling Mills, Jagadhri
42	M/s K.C. Metal Industries, Jagadhri
43	M/s Amrit Metal Industries, Jagadhri
44	M/s Hans Raj Mulakh Raj, Jagadhri
45	M/s Milap Metal Works, Jagadhri

46	M/s Dua Metal Industries, Jagadhri
47	M/s Savita Metal Industries, Jagadhri
48	M/s Sunrise Metal Industries, Jagadhri
49	M/s Darshan Metal Industries, Jagadhri
50	M/s Desh Rolling Mills, Jagadhri
51	M/s Desh Metal Works, Jagadhri
52	M/s Narendra Metal Industries, Jagadhri
53	M/s Shadi Metal Works, Jagadhri
54	M/s Globe Metal Works, Jagadhri
55	M/s Deluxe Metal Industries, Jagadhri
56	M/s Dayal Singh Khazan Singh, Jagadhri
57	M/s Dalip Metal Industries, Jagadhri
58	M/s Pritam Singh Metal Works, Jagadhri
59	M/s Ramesh Metal Works, Jagadhri
60	M/s Laj Industries, Jagadhri
61	M/s Quality Industries, Jagadhri
62	M/s Aggarwal Metal Industries, Jagadhri
63	M/s R.S. Goel and Sons, Jagadhri
64	M/s Shri Durga Metal Works, Jagadhri

65	M/s New Wadhwan Metal Industries, Jagadhri
66	M/s Bright Metal Industries, Jagadhri
67	M/s Sunder Singh S/o Sh. Balwant Singh, Jagadhri
68	M/s Gurditta Mal Krishan Lal, Jagadhri
69	M/s Hari Narain Metal Industries, Jagadhri
70	M/s Ashok Metal Industries, Jagadhri
71	M/s Punjab Metal Trading Co., Jagadhri
72	M/s Jain Dhatu Udyog, Jagadhri
73	M/s Jagan Nath Metal Industries, Jagadhri
74	M/s Jai Hind Metal Industries, Jagadhri
75	M/s Narsing Metal Works, Jagadhri
76	M/s Subash and Co., Jagadhri
77	M/s Rose Metal Works, Jagadhri
78	M/s Balkishan Metal Works, Jagadhri
79	M/s Ragunath Metal Works, Jagadhri
80	M/s Ragubir Dayal Kailash Chand, Jagadhri
81	M/s Brij Lal Badri Dass, Jagadhri
82	M/s Surendra Metal Works, Jagadhri
83	M/s Lakshmi Metal Works, Jagadhri

84	M/s Gupta Metal Industries, Jagadhri
85	M/s Ajay Surgical, Mangatpura, Jagadhri
86	M/s Kailash Metal Industries, Jagadhri
87	M/s Joga Metal Works, Jagadhri
88	M/s Shree Gandhiji Metal Rolling and General Mills, Jagadhri
89	M/s Shree Hanuman Metal Industries, Jagadhri
90	M/s Hakum Metal Industries, Jagadhri
91	M/s Sudheer Metal and Engg. Works, Jagadhri
92	M/s Gandu Ram Harbans Lal, Jagadhri
93	M/s Swarijya Metal Industries, Jagadhri
94	M/s Saraf Industries, Bahadurgarh
95	M/s National Steel Industries, Bahadurgarh
96	M/s Narain Metal and Pressing Works, Indl. Area, Bahadurgarh
97	M/s Sekhi Bros. MIE, Bahadurgarh
98	M/s Ajay Udyog, MIE, Bahadurgarh
99	M/s Verma Engg. Works, Indl. Area, Bahadurgarh
100	M/s Paramount Iron and Steel works (P) Ltd, Indl, Area, Sonepat
101	M/s Samrat Industries, Indl. Area, Sonepat

102	M/s Hindustan Rolling and Wire (P) Ltd., Sonepat
103	M/s Nirula Bros (P) Ltd., Delhi Road, Gurgaon
104	M/s Mahavir Metal Works, 15/2 Mathura Road, Faridabad
105	M/s Vijay Metal Works, Rewari
106	M/s S.S. Metal Works, Rewari
107	M/s Bhurania Bros., Rewari
108	M/s Parmeshwar Metal Industries, Jagadhri
109	M/s Jayana Industries, Jagadhri
110	M/s Puran Chand Sawaran Kumar, Kaithal
111	M/s Bharat Tin and General Industries, Hisar Road, Rohtak
112	M/s Steel Craft Industries, E-27, Indl. Area, Yamunanagar
113	M/s Tempo Engg. Works, Mehrauli Road, Gurgaon
114	M/s Om Metal Industries, Jagadhri
115	M/s Dewan Shah and Sons Pvt. Ltd. Jagadhri
116	M/s Satnam Metal Works, Jagadhri
117	M/s Kid Metal and Holloware Mfg. Co. Ambala Cantt.
118	M/s Parbhu Dayal Kailash Chand, Jagadhri
119	M/s Sharda Metal Industries, Jagadhri

120	M/s Hira Metal Works, Jagadhri
121	M/s Lachmi Chand Ved Parkash, Jagadhri
122	M/s Amar Metal Works, Jagadhri
123	M/s Shakti Metal Industries, Jagadhri
124	M/s Jain Metal Industries, Jagadhri
125	M/s Paras Metal Industries, Jagadhri
126	M/s Parbhat Metal Industries, Jagadhri
127	M/s Partap Metal Industries, Jagadhri
128	M/s Manchanda Metal Works, Jagadhri
129	M/s Northern India Metal Industries (Regd), Jagadhri
130	M/s Parmod Metal Industries, Jagadhri

चौधरी दल सिंहः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि 1973–74 में इस कोटे की क्वांटिटी क्या थी?

चौधरी हरपाल सिंहः 1972–73 में 50 क्विंटल मीटरीक टन और 1973–74 में 84 क्विंटल मीटरीक टन था।

चौधरी दल सिंहः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि स्टेनलैंस स्टील का कोटा देने का काइटेरिया क्या है?

चौधरी हरपाल सिंहः हम फर्म की रिक्वायरमैंट देखते हैं और म ीन की कपैसिटी देखते है। इस बैसिज पर अगर प्रोक्योरमैंट

ज्यादा हो तो ज्यादा कोटा देते हैं और अगर प्रोक्योरमैंट कम हो तो कम कोटा देते हैं।

चौधरी दल सिंहः यूनिटस की जो लिस्ट मुझे मिली है जींद जिले का कोई आदमी नहीं है जिसको स्टेनलैस स्टील का कोटा दिया गया हो। मैं आपकी मारफत सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार कोटा अलाट करते समय बैकवर्ड एरिए का ख्याल करती है।

चौधरी हरपाल सिंहः बैकवर्ड एरिए के लिए सहूलत दी जाती है और 50 फीसदी ज्यादा एडि ानल रा–मैटीरियल देते है। अगर जींद से कोई पार्टी सामने ने आये तो हम क्या करें।

Mr. Speaker: The Question Hour is over please.

नियम 45 के अधीन सदन के पटल पर रखे गए तारांकित प्र न का लिखित उत्तर

Barwala Link

***825. Malik Sant Ram Dass Batra:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the date on which the Barwala Link was competed together with the capacity of water thereof; and

(b) the total area benefited by the said Link?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त):

(क) 1–6–72 तथा इस की डिजाईन केपैसिटी 1725 क्यूजिकस है।

(ख) फीडर चैनल होने के कारण कोई सीधी सिंचाई नहीं होती।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Filling up the Vacancy of Veterinary Assistant Surgaon

***305. Shri Sheesh Ram:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether any request from the Gram Panchayat Shamlo Kalan, District Jind, has been received by the Government for filling up the vacancy of Verterinary Assistant Surgeon in the Veterinary Hospital, Shamlo Kalan; Jind

(b) if so, the time by which it is likely to be filled up?

कृशि मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) कोई नहीं।

(ख) फिर भी प ा सहायक चिकित्सक की नियुक्ति भीघ्र की जा रही है।

Model/Focal Village Scheme

***306. Shri Sheesh Ram:** Will the Minister for Development be pleased to state-

(a) whether the work of development under the model/focal village scheme at village Shamlo Kalan, District Jind has been started; and

(b) if so, the stage thereof together with the time by which it is likely to be completed?

Development Minister (Col. Maha Singh):

(a) Yes.

(b) In this focal village 5 schemes have been taken up which I mention below alongwith the likely date of their completion-

(i) Panchayat Ghar: Almost completed.

(ii) Nursery School-cum-Mahila Mandal: First floor of the building has been laid. It is likely to be completed during the current financial year.

(iii) Periphery Roads: The work has yet to started. Due to First non-availability of bricks, the likely period of its completion cannot be indicated, at this stage.

(iv) Water Supply Scheme: It has been completed, and has started functioning.

(v) Drainage Scheme: It has been completed partially. The remaining work is likely to take not less than one year because of the acute shortage of cement and bricks.

Construction of new Bus Stand at Gharaunda

***309. Lala Rulya Ram:** Will the Minister for Development be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to dismantle the existing Bus Queue shelter at Gharaunda and to constructd a new Bus Stand there; and

(b) if reply to part(a) above be in the affirmative, the time by which the said Bus Stand is likely to be constructed?

विकास मंत्री (कर्नल महा सिंह):

(क) घरौंडा में वर्तमान बस क्यू भौल्टर सडके के समीप है जिसके स्थान पर एक नया बस क्यू भौल्टर बनाने की योजना है। वर्तमान ढांचे को किसी अन्य कार्य में प्रयोग किया जा रहा है।

(ख) इस समय कोई निि चत तिथि नहीं बताई जा सकती परन्तु बस क्यू भौल्टर के लिए किसी अन्य भूमि के चुनाव के बारे में आव यक पग उठाए जा रहे हैं।

Mr. Speaker: A Minister to make a statement on the Call Attention Motion.....

15.00 बजे

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, इससे पहले मेरी एक अर्ज है। मेरी एक प्रिविलेज मो ान थी ..... (ाोर).....

Mr. Speaker: Order please. Your privilage motion is under my examination.

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, वह इसी स्टेटमैंट से ताल्लुक रखती है और बरवाला इंसीडैंट के बारे में ही है। उस द्वारा कंटैम्पट आफ दी हाउस हुई है..... उसका पहले डिसिजन हो जाना चाहिए था। ..... (ाोर).....

Mr. Speaker: Order please. I have still to examine it. Then I will decide..., I have to see whether I should give my consent to it or not. Then it will come before the House.....

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, मेरी हस्बल सबमि ान यह है कि इसी बरवाला इंसीडैंट पर जिसकी काल अटैं ान मो ान पर स्टेटमैंट दी जा रही है मैंने वह प्रिविजन मो ान दी है। उसका पहले फैसला होना आव यक है।

Mr. Speaker: Order please. I have not examined it. I have not even given my consent to it. How can you raise this matter in the House? (Noise)

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब, एक और बात है जिस इ ा पर स्टेटमैंट दिला रहे हैं उसी इ ा पर प्रिविलेज मो ान है सवाल बुनियादी है। प्रिविलेज का सवाल यह है कि एसएसपी ने क्यों

स्टेटमैंट दी हाउस में स्टेटमैंट आने से पहले? यह सवाल बेसिक है। आप इसका फैसला करें।

Mr. Speaker: Order please. That will be decided later. There seems to be not much difference in that.

चौधरी ि ाव राम वर्मा: जब आज की तारीख मुकर्रर हो चुकी थी कि 26 तारीख को गवर्नमेंट ब्यान देगी तो उसने पहले ब्यान क्यों दे दिया?

मुख्यमंत्री (चौधरी बंसी लाल): स्पीकर साहब, एसपी के उपर एसएसपी के उपर कहीं पर कोई पाबन्दी नहीं है कि जब हम हाउस में ब्यान देंगे उसके बाद वह ब्यान देगा। जब पब्लिक का माइंड ऐजीटेट होता है तो अपने डिस्ट्रिकट में वह हालात की सफाई पे ा न कर सके असलियत न बता सके ऐसा रूल्ज में कोई प्रोवीजन नहीं है। There is no such provision in our Rules.

चौधरी राम लाल वधवा: रूल्ज में प्रोवीजन है या नहीं यह तो प्रिविलेज कमेटी देखेगी। मुख्यमंत्री कैसे यह कह सकते है। फिर मामला स्पीकर साहब, के विचाराधीन है वह देखेंगे ..... विघ्न..... स्पीकर साहब आपने तो रेज करने के लिए कंसैन्ट देनी है..... भाोर ....

Mr. Speaker: Order please. Please resume your seat.

चौधरी ि ाव राम वर्मा: आपके अंडर ऐग्जामिने ान है–

श्री अध्यक्ष: आर्डर प्लीज।

चौधरी ि िव राम वर्मा: यह कैसे कहा जा सकता है कि कोई पाबन्दी नहीं है?

Mr. Speaker: I have to see whether the motion is in order or not. I have to see that first.

The Minister to make a statement on the call attention motion.

ध्यानाकर्शण सूचना संख्या 5 पर गृह तथा स्वास्थ्य राज्य मंत्री द्वारा वक्तव्य

State Minister for Home and Health (Shrimati Sharda Rani):

Sir, the facts pertaining to the Call Attention Notice, Serial No. 5 received on 15-7-74, are that on the evening of 10-7-74, constrable Piru Ram No. 901 of Police Station Barwala had gone to Kasba Bazar, Barwala in order to effect the service of summonses on Sarvshri Munshi S/o Gopala and Kanhaya s/o Lalu Ram of Barwala Town. Several attempts has been made earlier to serve these summonses but in vain. The summonses related to Court Proceedings under section 107/151 Cr. P.C. against Ram Siingh and 8 others of village Kharkara, who were arrested on 9-3-1974.

2. On reaching Kasba Bazar, Barwala, constable Piru Ram enquired from one Shri Prem Lal s/o Badri Mahajan, a shopkeeper about the houses of the above noted persons on whom he had been deputed to effect the service of summonses.

The said Prem Lal reported angrily, tellinig the constable to go away. On this the constable asked him why he was behaving in an angry manner and an alternation ensured between the two. Therefore, Prem Lal began abusing the constable and with the help of his two brothers. Chander Bhan and Sat Narain, caught hold of him gave him a beatinig and in the process tore his uniform shirt. In the meanwhile Sarvshri Shankar Lambardar and Mohan Singh of Barwala and Jita Lambardar of village Bada, who happend to pass through the Bazar arrived at the scene and rescued the constable from, the clutches of Prem Lal and his two brothers and the constable left for the police station. The assailants, apprehending their immediate arrest for their misdeed and hooliganism, incited the shopkeepers to close their shops and exhorted them to reach the plice station to protest against the police. Sarvshri Ram Narain, Prem, Som Nath, Chander Bhan, Sat Narain, Om Parkash, Anil Saini, Ashok, Raju, Mehar Chand Khanna, Mohinder Goldsmith, Kishori, Kashmiri, Prehlad, Kant, Makhan Singh etc. all residents of Barwala armed with lathis, dandas etc. formed into a procession numbering 250/300, collected in front of the police station bulding the main gate of which was closed and started pelting stones at it. They raised slogans to set the police station on fire and kill the thana staff. In the meantime a number of respectables had also gathered in front of the police station and despite their repeated requests to the demonstrators; who mostly consisted of youngman of the age group of 18 to 24 years, not to include in acts of hooliganism, the crowed continued raising slogans and pelting stones. The stone throwing continued for an hour and the police station building was littered with stones.

3. On the complaint of constable Piru Ram No. 901 case FIR No. 95 dated 10-7-1974 u/s 353/332/147/149/506/186 IPC was registered at police station Barwala in this connection. A police reserve, under the command of Deputy Superintendant of Police, Headquarters, Hissar was rushed to Barwala as soon as news of the incident was received at the District Headquarters, whereafter normalcy was quickly restored. The Senior Superitendent of Police, Hissar visited Barwala on 11-7-1974 and personally verified the facts, which were found correct by him as stated above. The case is being investigated under the supervision of the Addl. Superintendent of Police, Hisar.

4. None of the saner elements of the town participated in the attack on the police station. It is incorrect that the accused were paraded through the streets with only underwears on. On 12-7-1974 five of the accused after being rounded up from different spots, were taken nto the police station in a group for interrougation. The route form the Kasba to be police station passes through the Bazar so that the arrested persons had to be taken to the police station through the Bazar. It is also incorrect that any of the accused was manhandled or was subjected to any third-degree method in the police station. It is also incorrect that shops were closed in protest against the police. When the Senior Superintendent of Police, Hisar visited Barwala on 11-7-1974, he found all shops open and there was complete normally in the town which has continued thereafter.

5. In the case registered with the Police, all the sixteen accused named in the FIR have been arrested and released on bail.

6. Constable Piru Ram who was the victim of the assault suffered 4 injuries whereas none of the accused suffered any injury, except one kashmiri s/o Dhannu Ram who was injured in the melee, when the unruly crowed was being dispersed outside the police station. The police station staff showed great restraint and patience. They in fact waited in side the Thana under heavy stoning till the arrival of the police reserve from Hisar.

7. With the intention of making political capital out of this incident, some, political leaders visited Barwala on 12-7-74 and exhorted the shopkeepers, who are the members of the local Beopar Mandal, to observe Hartal to protest against the alleged police excesses, but the shopkeppers did not respond to their call, and the shops opened normally. In fact, the shopkeepers asked these persons not to disturb the peace in the town by making the matter a political issue since it was the fault of their own men and not of the police.

..... (विघ्न एवं भाोर).....

चौधरी ि िव राम वर्माः स्पीकर साहब, ... (भाोर).....

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, ... (विघ्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: Order please. No discussion.

चौधरी राम लाल वधवाः .....

Mr. Speaker: Order please.

चौधरी राम लाल वधवाः .....(भाोर).....

Mr. Speaker: Order please.

चौधरी राम लाल वधवाः .....

Mr. Speaker: Order please. No discussion.

चौधरी दल सिंहः .....

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): स्पीकर साहब, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज। प्वायंट आफ आर्डर।

श्री बनारसी दास गुप्तः स्पीकर साहब, रूल्ज के मुताबिक काल अटैं ान मो ान के स्टेटमैंट पर कोई डिसक ान नहीं हो सकती।

श्री अध्यक्षः हां, कोई डिसक ान नहीं हो सकती। (विघ्न एवं भाोर)

चौधरी राम लाल वधवाः .....(विघ्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: Order please. No further discussion. A minister to introduce a Bill now.

बहिर्गमन

चौधरी राम लाल वधवा: फिर तो स्पीकर साहब, हम वाक–आउट करते हैं। (विघ्न एवं भाोर)

(इस समय सर्वश्री राम लाल वधवा, ि ाव राम वर्मा, चांद राम, दल सिंह और गणपत राय सदन से वाक–आउट कर गए)

दी पंजाब कोआप्रेटिव सोसाइटीज (हरियाणा अमैंडमेंट) बिल, 1974 (पुररारम्भ)

State Minister for Co-operation and Local Government (Chaudhri Goverdhan Dass Chauhan): Sir, I beg to introduce the Punjab Co-operative Soceities (Haryana Amendment) Bill, 1974

I also beg to move-

(Interruptions and Noise)

Mr. Speaker: Anything said without my permission will not form part of the record, (Noise .....)

मुख्यमंत्री (चौधरी बंसी लाल): स्पीकर साहब क्या यह ऐंक्सपंज हो गया है? (ाोर)

Mr. Speaker: Yes, (Interruptions)-

चौधरी बंसी लाल: स्पीकर साहब, क्या यह हल्ला–गुल्ला इनका ऐक्सपंज हो गया है न? (विघ्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: An hon. Minister to move the Bill.

बहिर्गमन

चौधरी पीर चन्दः ..... अगर आप सुनने के लिए तैयार नहीं तो मैं वाक–आउट करता हूं। ..... भाोर .....

(चौधरी पीर चन्द वाक–आउट कर गए)

श्री बनारसी दास गुप्तः आन ए प्वायंट आफ इन्फर्मे ान, सर।..... विघ्न.....

चौधरी चांद रामः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, मैंने काल अटैन ान मो ान का नोटिस दिया था। ..... विघ्न.....

Mr. Speaker: Order please. Not now. This is not the time.

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब, मैं कोई ऐसी बात नहीं कह रहा हूं जिससे आप आफेंड हो, नाराज हों। आप मेरी बात सुन लें।

Mr. Speaker: No please. This is not the time.

चौधरी चांद रामः और आगे कब होगा। प्वायंट आफ आर्डर पर तो कभी भी उठ सकता है।

Mr. Speaker: You should have raised it earlier.

चौधरी चांद रामः अब भी तो कह सकते हैं। अभी काल अटैं ान मो ान में जवाब दिया है आपके नया बिजनैस काल अपोन करने से पहले ही मैं उठ खडा हुआ हूं। अभी एक मिनट में ही खत्म हो जाएगा।

श्री अध्यक्षः काल अटैन ान नोटिस के लिए अगर मेरे से बात करनी है तो You can come to my chamber.

चौधरी चांद रामः आप एक मिनट सुन तो लें..... भाोर..... .....

Mr. Speaker: I have not decided the matter so far.

Chaudhri Chand Ram: You have decided it already and everything is in my hands.

Mr. Speaker: Have you received the reply?

Chaudhri Chand Ram: Yes, Sir.

Mr. Speaker: Then there is no question.

चौधरी चांद रामः उसी के बारे में एक मिनट लेना चाहता हूं। आप जो भी जवाब देंगे या रूलिंग देंगे उससे मैं अबाइड करूंगा। मेरा सब्जैक्ट फूड, भाूगर और क्लाथ की डिस्ट्रब्यू ान के बारे में था।

Mr. Speaker: Order please. Please listen. There can be no point of order on the rulling.

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग पर री–कंसीड्रे ान के लिए अपील तो कर सकता हूँ अगर कोई फैक्ट आपके नोटिस में लाया जाये..... विघ्न..... एक मिनट आप मेरी बात तो सुन लें।

Mr. Speaker: The hon. Member can write to me for review of my orders.

चौधरी चांद रामः ..... विघ्न.....

.

Mr. Speaker: Order please. The Hon. Member is speaking without my permission. Nothing will come on the record.

चौधरी चांद रामः नहीं जी, फिर कैसे करें। आप ही बताइए किस तरह से कैसे करें।

Mr. Speaker: If you persist in speaking----------

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब, मैं परसिस्ट नहीं कर रहा, मैं तो आपकी इजाजत से बोल रहा हूं।

Mr. Speaker: When I have ruled that if you have any grievance, you can come to my Chamber or write for the review of my orders.

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब, हमारे रूल्ज क्या हैं? रूल्ज यही है कि आप के सामने, हाउस के सामने कोई भी मैंबर

स्पीकर साहब, की प्रोटैक ान ले सकता है। अगर कोई बात रूल्ज के अगैस्ट होती हो, तो आपके नोटिस में लांए। यह हमारा अधिकार है।

Mr. Speaker: Order please. Nothing has been done against the Rules.

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब, यही तो मैं कह रहा हूं कि इसमें फूड का कोई जिकर नहीं है। आप यह देखें कि उस सवाल के अन्दर फूड का कोई जिकर नहीं है। उसका हैडिंग ही यही है। रिगाडिंग फूड और उसमें क्वै चन का कोई जिकर नहीं। मैं तो यही कह रहा हूं।

Mr. Speaker: You have received the reply.....

Chaudhri Chand Ram: Yes, Sir.

Mr. Speaker: Supplementaries were allowed. The scope of this starred question is much winder than the calling attention motion.

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब, मैं आपके पास मैंबर में भी आ जाउंगा लेकिन सवाल यह है कि इसमें अगर फूड का कोई जिक हो। आप बे ाक..... विघ्न.....

Mr. Speaker: No arguments in the House, please.

दी पंजाब कोआप्रेटिव सोसाइटीज (हरियाणा अमैंडमेंट) बिल, 1974

(पुररारम्भ)

Mr. Speaker: The Hon. Minister to move the motion for consideration of the Bill.....

Chauthri Goverdhan Dass Chauhan: Sir, I beg to move-

That the Punjab Co-operative Soceities (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Punjab Co-operative Soceities (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

चौधरी दल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने पिछली बार भी एक बात यहां हाउस में कही थी और आज फिर मैं उसको दोबारा दोहराना चाहता हूं। इस बिल के अन्दर लिखा है "To amend the Punjab Co-operative Soceities Act, 1971" यह तो अंग्रेजी में है और कि हिन्दी में लिखा है कि पंजाब सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1961 सं ाोधित करने के लिए। स्पीकर साहब, मेरी गुजारि ा है यह बडा सीरियस मैटर है। हिन्दी में तो ये कहते है कि सन 1961 का कानून तरमीम कर रहे हैं और अंग्रेजी में कहते हैं कि सन 1971 के एक्ट को दुरूस्त कर रहे हैं। पहली बात सही है या दूसरी सही है। कौन सी बात सच्ची है। स्पीकर साहब, मेरी गुजारि ा है कि यह बडा सीरियस मैटर है क्योंकि पिछली दफा भी गलती हुई थी और इस बार फिर गलती हुई है। हम यहां हाउस में एक्ट बनाने जा रहे हैं। हिन्दी में यहां लिखते हैं कि हम सहकारी समिति कानून 1961 का तरमीम कर रहे हैं और अंग्रेजी में लिखते हैं। कि सन 1971 के

कानून में तरमीम कर रहे हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि .... मैं यह कह दूं कि यह सरकार ही ना–अहल है तो गलत लफज नहीं होगा। ये बिल्कुल ना–अहल है। कोई पूछने वाला नहीं है ..... इस किस्म की घातक गलती है। इससे बडी गलती और क्या हो सकती है कि बिल का हैंडिंग ही ठीक न कर सकें। मैं यह गुजारि ा करूंगा कि यह बडी जबर्दस्त गलती है। यह हाउस के साथ मजाक है। ..... पहली दफा गलती हुई अब दोबारा गलती हुई। इसके अलावा मैं यह कहना चाहता हूं कि इसके उददे य और कारणों में यह लिखा है कि कोआप्रेटिव सोसायटीज की तादाद जिनके अन्दर हरियाणा प्रान्त की सरकार के हिस्से दस लाख या दस लाख से अधिक हैं तादाद बढ गई है। इसलिए उनके अन्दर जो मैंनेजिंग डायरेक्टर, रजिस्ट्रार, डिप्टी रजिस्ट्रार, आईएएस और एचसीएस लगाते थे। सोसाइटीज की संख्या बढने से उनकी तादाद कम हो गई है इसलिए असिस्टन्ट रजिस्ट्रार को कोआप्रेटिव सोसाइटी का मैनेजिंग डायरेक्टर लगाया जाये। इस बिल के अन्दर यह अमैंडमैंट करने जा रहे हैं। मैं समझता हूं कि सरकार के सामने यह उददे य नहीं है। मैं सरकार से यह पूछना चाहता हूं कि कितनी सोसाइटीज है जिनके अन्दर सरकार के दस लाख या दस लाख से ज्यादा के हिस्से हैं और पिछले सालों में सरकार ने कितने अफसरों को भर्ती किया है। पिछले सालों में हरियाणा प्रान्त में 500 गजटिड अफसर भर्ती किये गये हैं मैं कह सकता हूं इतने गजटिड अफसर हिन्दुस्तान ीार में किसी भी स्टेट के अन्दर भर्ती नहीं किये है जितने हरियाणा प्रान्त में किये हैं। सरकार

ने उददे य में लिखा है कि अफसरों की तादाद कम है इसलिए यह अमैंडमैंट कर रहे हैं। इसका साफ मतलब यह है कि गवर्नमेंट हर जगह दखल अन्दाजी चाहती है। आज भी हरियाणा प्रान्त के अन्दर इस किस्म के अफसर है जो भाायद पिछले बैंच वाले भाईयों की बात न मानते हों, अगले वालों की तो मानते हैं माननी पडती है लेकिन पिछले वालों को नहीं। इस कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने असिस्टेन्ट रजिस्ट्रार के लिए रास्ता साफ कर दिया कि वह मैनेजिंग डायरेक्टर बन सकता है। कितनी हैरानी की बात है कितनी बडी कनसरन्ड कोआप्रेटिव सोसाइटी हो, उसमें दस लाख से ज्यादा के भोयर सरकार के हों तो उसके उपर अब एक ए0आर0 होगा।

स्पीकर साहब, मैं जींद की बात करना चाहता हूं। जींद में कलर्को की भर्ती के मामले में, अप्वायंटमैंट के बारे में तीन बार बोर्ड हुआ क्योंकि वहां पर ए0आर0 एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर था और यहां के मिनिस्टर इन्चार्ज ने बाकायदा दखल दिया। तीन दफा में वहां पर उनकी भर्ती का फैसला नहीं हो सका फिर चण्डीगढ में आकर फैसला हुआ। उसके बाद उन लोगां की छंटनी करके ट्रेनिंग पर भेज दिया गया स्पीकर साहब, आप सुन कर हैरान होंगे जो लोग ट्रेनिंग में गये वे ट्रेनिंग करके आ गये तो उनको फिर कोरा जवाब मिल गया। दुबारा इन्टरव्यू करके फिर वहां भर्ती की गई। इस किस्म की ज्यादती सरकार कर सकती है तो ए0आर0 को इस किस्म के इख्तियारात देकर जहां लाखों रूपये की सम्पति हो वहां लगाना तो मैं नहीं समझता हूं कि एमएलए का दखल कराना होगा। यह सरकार की

तरफ से दखल दिया गया है। सरकार का उददे य यह नहीं है कि वहां का मैनेजमैंट ठीक चले बल्कि सरकार का उददे य मैनेजमैंट को खराब करना है। सरकार दखल अन्दाजी भी नीचे से उपर तक करना चाहती है। इसके अन्दर यह बडी हैरानी की बात है। सन 1961 में अब 1974 तक 13 साल तक तो तरमीम करने की कोई जरूरत नहीं पडी लेकिन अब इनके पास बहुत सोसाइटियां आ गयी। जब हम पूछते है कि सडकें बनाओगे, नहीं क्यों? रूपया नहीं। स्कूल खोलोगें? नहीं, क्यों? रूपया नहीं। अस्पताल बनाओंगे? नहीं, क्यों रूपया नहीं है। एक तरफ तो इनके पास बिलकुल भी रूपया नहीं है हरियाणा प्रान्त का दिवाला निकल गया है और दूसरी तरफ यह कहते है कि हमने सोसाइटियों में बहुत हिस्से खरीद लिए, उनमें लगाने के लिए हमारे पास अफसर नहीं है। पांच पांच सौ अफसरों की साल में भर्ती करते हैं हरियाणा प्रान्त का दिवाला निकालने के बावजूद सोसाइटियों में ए0आर0 का दखल चाहते हैं। मैं यह गुजारि ा करूंगा कि इस किस्म का एक्ट जो पब्लिक के मुफाद के लिए भी न हो, बनाकर बे ाक उनमें दखल–अन्दाजी करें मगर यह ठीक नहीं है। अगर किसी ए0आर0 ने किसी एमएलए की बात मान ली तो इसका पब्लिक को कोई फायदा नहीं होगा। इन अल्फाज के साथ मैं इस बिल की पुरजोर मुखालिफत करता हूं और साथ ही आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे टाईम दिया।

श्री अध्यक्षः चौधरी ि ाव राम वर्मा।

चौधरी ि िव राम वर्मा: आदरणीय अध्यक्ष महोदय, यह एक सं ाोधन.....

श्री अध्यक्ष: आर्डर प्लीज। चौधरी दल सिंह जी ने जो पहले एतराज किया था कि यह इस सैक्रेटेरिएट की मामूली सी गलती है। मैं उन्हें यह बता देना चाहता हूं कि यह गवर्नमेंट की तरफ से हुई है। इस सैक्रेरेरिएट की तरफ से नहीं है। No reflection on this Secretariat. Those remarks will be expunged. नहीं मैं कहा तक ठीक हूं। मैं समझता हूं.....

Mr. Speaker: No reflection on the Vidhan Sabha Secretariat please. (Interruptions). The Bills come from the Government and we can not change the text.

चौधरी दल सिंह: अगर एक ऐक्ट गलत पास होता है... व्यवधान एवं भाोर..... अगर इस बिल को इसी तरह पास कर दिया जाये और कोई इसे चैलेन्ज कर दे तो क्या ह ार हो?

Mr. Speaker: This Secretariat has got no authority to change the text. Only the house has got the authority to change that and if any change is effected, it will be effected through an amendment.

चौधरी राम लाल वधवा: मेरी एक प्रार्थना है कि ये बिल जो हमारे पास आते हैं सरकार हमें एक दिन या दो दिन पहले देती है। रूल्ज के मुताबिक इसके लिये इन्हें 15 दिन का नोटिस देना चाहिए। अगर हमारे पास बिल इन टाईम आयें तो हम यह बता सकते

हैं कि यह अमैंडमैंट होनी चाहिए। बिल हमारे पास रात को आ जाता है और सुबह कहते हैं कि हाउस में डिस्कस करो। आप बहुत लिबरल होकर उनकी डिले कन्डोन कर देते हैं। आखिर, एक बार हो जाये दो बार हो जाये या कभी ऐमरजैंसी आने पर डिले कन्डोन हो जाये लेकिन स्पीकर साहब, सरकार ने जो यह रिवाज ही बना लिया है।

मुख्यमंत्री (चौधरी बंसी लाल): मैं क्लैरीफाई कर दूं..... .....

श्री अध्यक्षः मैं इनकी भी और आपकी भी (डिले) कन्डोन करता हूं। दोनों साइड को बराबर ट्रीट करता हूं..... व्यवधान. .....

चौधरी बंसी लालः यह आब्जैक ान चौधरी दल सिंह जी का सोलह आने ठीक है कि छापने में गल्ती हुई है 1961 होना चाहिए था। अगर हाउस चाहे, सारा हाउस भी नहीं चौधरी दल सिह या अपोजी ान के माननीय सदस्यगण यह चाहें तो हम यह बिल दोबारा री–प्रिंट कराके 29 को ले आयें। अब कहें तो अब अमैंडमैंट ले आयें। जैसे आपकी इच्छा हो वैसे कर लेंगे..... व्यवधान..... जिस तरह से अपोजी ान चाहें उस तरह से कर लेंगे, हमको कोई एतराज नहीं। ..... व्यवधान.....

चौधरी दल सिंहः अब ही कर लो, क्या फर्क पडता है। मेरी गुजारि ा यह है कि एजेन्डा भी हमें नहीं मिलता। एजेन्डा आज

हमने यहां मांगा है। यह फैक्ट है। इस किस्म की ज्यादती हमारे साथ होती है.....

चौधरी ि ाव राम वर्मा: आदरणीय अध्यक्ष महोदय एक बात तो चौधरी दल सिंह जी ने सदन के सामने रखी है लेकिन एक बात मैं भी यहां कहना चाहता हूं। जो मुझे एडंवास कापी इस बिल की मिली है उसमें अंग्रेजी में कुछ है और हिन्दी में कुछ। इंग्लि ा में यह प्रोवीजो लिखा है–

"Provided further that no person shall be appointed as Managing Director unless he is a member of the Indian Administrative Service, Haryana Civil Service (Executive Branch) Joint Registrar or Deputy Registrar, or Additional Registrar or Assistant Registrar of the Co-operative Societies."

और हिन्दी में यह आया है:–

'परन्तु यह और कि किसी भी व्यक्ति को तब तक प्रबन्ध निदे ाक के रूप में नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक वह भारतीय प्र ाासनिक सेवा, हरियाणा सिविल सेवा (कार्यपालिका भााखा) का सदस्य या सहकारी सोसाइटियों का अपन रजिस्ट्रार, संयुक्त रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार या सहायक रजिस्ट्रार न हो।'

उधर डिप्टी रजिस्ट्रार, इधर हिन्दी में रजिस्ट्रार । ऐडवान्स कापी में डिप्टी रजिस्ट्रार की बजाए उप रजिस्ट्रार नहीं लिखा है। यह कापी भी मुझे यहीं से मिली है और दूसरी कापी भी

मुझे यहीं से मिली है। जो कापी अब मिली है उसमें उप–रजिस्ट्रार लिखा है। मुझे पता नहीं ऐसा क्यों है।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): वह कापी कहां से मिली है?

चौधरी ि ाव राम वर्मा: वह ऐडवान्स कापी घर पर डाक द्वारा मिली है। वह कापी मैं घर से साथ लाया हूं।

चौधरी बंसी लाल: इसमें तो दो हरफ की बात है कि एचसीएस या आईएएस की बजाये डिप्टी रजिस्ट्रार या अस्सिटैंट रजिस्ट्रार को भी मैंनेजिंग डायरेक्टर लगाया जायें। इसमें क्या लम्बी चौडी बात है? ..... व्यवधान

चौधरी राम लाल वधवा: मुख्यमंत्री जी, जरा अपने सैक्रेटेरिएट को भी ठीक करो न?

चौधरी बंसी लाल: इसमें गलती हो गयी, हम मानते हैं। हम कहां न करते हैं गलती से? जब गलती की न नहीं कर रहे हां कर रहे हैं तो इसमें झगडा क्या है?

चौधरी राम लाल वधवा: आप उनकी प्र ांसा करते रहते है न जरा ऐफी ैंसी देखिये।

चौधरी बंसी लाल: फिर ऐसा कर दें कि खाली इंग्लि ा लैंग्वेज रख दें, फिर गलती नहीं होगी?..... व्यवधान.....

चौधरी ि ाव राम वर्मा: नहीं, खाली हिन्दी रख दें फिर भी नहीं होगी? इसके अनुसार उप–रजिस्ट्रार माने या रजिस्ट्रार मानें, यह थोडी सी मु ि कल सामने आती है। ..... व्यवधान..... खैर अब सरकार अपनी गलती को ठीक कर लेगी। इसका ख्याल पहले ही हो जाना चाहिए।

Mr. Speaker: There is no mistake.

चौधरी ि ाव राम वर्मा: ऐडवांस कापी में हिन्दी में उप–रजिस्ट्रार नहीं, रजिस्ट्रार लिखा है।

चौधरी बंसी लाल: सही इंगलि ा वाला है ..... व्यवधान .....

चौधरी ि ाव राम वर्मा: अब सरकार अपनी गल्ती को ठीक कर लेगी। इसमें उप–रजिस्ट्रार नही, रजिस्ट्रार लिखा है ..... व्यवधान.... यह रही अपने घर से थोडे लाया हूं?

चौधरी बंसी लाल: स्पीकर साहब, इस बारे में आप से अर्ज कर दूं। इस बिल में लिखा है अगर रजिस्ट्रार यानी अडि ानल रजिस्ट्रार, संयुक्त रजिस्ट्रार, ज्वायंट रजिस्ट्रार–डिप्टी रजिस्ट्रार, सहायक रजिस्ट्रार–असिस्टैंट रजिस्ट्रार । कोई भी तो फर्क नहीं इसमें?

चौधरी ि ाव राम वर्मा: आप यहां देखिये। उप है ही नहीं इसमें।

चौधरी बंसी लालः कहां?

चौधरी ि ाव राम वर्माः यह रहा मेरे पास।

चौधरी बंसी लालः मैंने क्या पता? प्रैस भी, छापने, वाला भी उप घर में खा गया। ..... व्यवधान..... देखो न जी। हमारा तो कसूर है नहीं, अगर प्रैस भी चौधरी ि ाव राम वाली कापी का एक हरफ खा जाये तो हम क्या करें .... हंसी..... व्यवधान।

चौधरी ि ाव राम वर्माः इस कापी को टेबल पर रख लें। इसमें रजिस्ट्रार है यह कापी आपकी भेजी हुई है। यह आपकी गल्ती है यह आपने मान लिया है और कहा है कि इसको ठीक कर लेंगे लेकिन आइन्दा के लिये थोडा ध्यान रहे तो अच्छा रहेगा।

चौधरी बंसी लालः ध्यान रखेंगे, न नहीं करते।

चौधरी ि ाव राम वर्माः इसके बारे में एक बात मैं कहना चाहूंगा यह जो मैनेजिंग डायरैक्टर या प्रबन्ध निदे ाक नियुक्त करने की बात है और इस बिल में जो प्रोवाइजो लगा है इसके लिए मैं यह चाहूंगा कि एक नया परन्तुक लगाने की बजाए इसको सारे को ही हटा दिया जाये जो निदे ाक मंडल है वह चुन कर आता है। यहां पर लोकतंत्र है इसलिए इस दे ा में जो लोग वहां चुनकर आये हैं निदे ाक मंडल के सदस्य है वे अपने में से ही किसी को प्रबन्ध निदे ाक चुने या मैनेजिंग डायरैक्टर चुने तो ज्यादा अच्छी बात है क्योंकिं डैमोक्रेसी का जनतंत्र का यह तकाजा है कि लोग अपनी मर्जी से अपनी इच्छा से चलें। क्योंकि लोगों ने उन्हें चुना है इसलिए अगर

वे अपने में से ही प्रबन्ध निदे ाक चुने तो ज्यादा अच्छा रहेगा और प्रबन्ध की जिम्मेदारी भी उन के उपर ज्यादा रहेगी। इसलिए मैं यह चाहूंगा कि यह परन्तुक बिल्कुल ही हटा दिया जाये नहीं तो यह ऐसी बात होगी जैसे कि यहां एमएलएज चुने गए, विधायक चुने गये और अध्यक्ष महोदय हमने चुन लिये लेकिन मुख्यमंत्री के लिए सैंट्रल सरकार यह कह दे कि वह तो यानि मुख्यमंत्री तो हम भेजेंगे। तो यह बात गलत होगी। जब हम चुनकर आये हैं तो यह हमारा अधिकार है कि प्रबन्ध निदे ाक चुनें।

चौधरी बंसी लालः आप मुझे मुख्यमंत्री नहीं मानते?

चौधरी ि ाव राम वर्माः आप तो चुने हुए हैं इसलिए मानते हैं अगर केंद्र सरकार उपर से भेजे तो किसको मानें, कैसे माने?

चौधरी बंसी लालः मैं उन से भेजा हुआ भी हूं।

चौधरी ि ाव राम वर्माः हां उन से टिकट लेकर आप आये हैं। इसलिए जनतंत्र का तकाजा है कि यह प्रोवाइजों बिल्कुल ही हटा दिया जाना चाहिए और जो निदे ाक मण्डल के सदस्य है उन्हें अपने में से ही प्रबन्ध निदे ाक चुनने का अधिकार रहना चाहिए जब ही ज्यादा अच्छी तरह से काम चलेगा और सरकार भी उन पर जिम्मेदारी डाल सकेगी। अगर प्रबन्ध निदे ाक आप अपनी तरफ से नियुक्त करते हैं तो जब भी कोई हेरा–फेरी करता है आप उसकी तरफदारी करते हैं सरकार उसके उपर पर्दा डालती है। जो चुने हुए नुमायन्दे

होते हैं उसकी गल्तियों को रोकने की कोि ा ा करते हैं उसकी गल्तियों को पकडतें है। परन्तु सरकार ने उसकी नियुक्त की हुई होती है इसलिए वह उसकी तरफदारी करती है उसको बचाने की कोि ा ा करती है उसकी गल्ती के उपर लीपा पोती करती है और यदि घपला थोडा भी हो तो लोगों के मन में भ्राुबहा और भांका बढती है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगा कि नया परन्तुक लाने की बजाए सारा ही परन्तुक हटा दिया जाए ... व्यवधान.... ताकि चुने हुए सदस्य अपना प्रबन्ध अच्छी तरह से आप हो चला सके–

चौधरी राम लाल वधवाः मुख्यमंत्री को चुने हुए अच्छे नहीं लगते ... हंसी ....

चौधरी ि ाव राम वर्माः स्पीकर साहब, मैं इन भाब्दों के साथ मंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगा कि वह इस परन्तुक को वापिस ले लें और अगर मंत्री महोदय मेरी बात को न माने तो सदस्यगण से प्रार्थना करूंगा कि वे इसको नामन्जूर कर दें। स्पीकर साहब, मैं इसका पुरजोर विरोध करता हूं।

चौधरी जगजीत सिंह टिक्काः स्पीकर साहब, यह बिल तो बहुत अच्छा बिल है और जैसा कि वर्मा जी ने कहा कि यह प्रोविजो हटा देना चाहिए, स्पीकर साहब, इसमें हटाने वाली तो कोई बात नहीं है। यह तो बहुत अच्छी बात है कि अगर कहीं रपर मैनेजमैंट खराब हो या कहीं पर खराबी आ रही हो तो उसमें गवर्नमेंट के आदमी जो

इन चीजों को अच्छी तरह समझते हैं उन को लगा दिया जाये। लेकिन मैं सरकार के ध्यान में एक दो बात लाना चाहता हूं कि कहीं ऐसा न हो कि जहां मैनेजमैंट अच्छा भी चल रहा है वहां किसी आदमी को ऐडजस्ट करने की कोि ा ा की जाए। जहां का मैनेजमैंट खराब है वहां तो ठीक है कि ऐसा कर दिया जाएं वहां पर सुधार हो जाएगा लेकिन ऐसा न हो कि जहां अच्छा हो वहां पर किसी को ऐडजस्ट करने के लिए किसी को लगा दिया जाए। वैसे इसमें कोई कन्ट्रीवरि ायल चीज नहीं है।

श्री के0एन0 गुलाटीः स्पीकर साहब, मैं आपकी मारफत हाउस से अर्ज करना चाहता हूं कि सरकार जो भी बिल एक्ट या रूल लाती है वह सोच समझकर लाती है और पबलिक के फायदे के लिए लाती है उसके पीछे अच्छी भावना होती है। लेकिन हरेक का अपना बोलने का तरीका होता है कोई कैसे बोलता है। मैं तो सरकार ..... व्यवधान ..... मैं भी पबिलक का नुमाइन्दा हूं। मैं बहुत से सुझाव भी सरकार को देता हूं। स्पीकर साहब, मैं आपकी मारफत इस अमेन्डमेंट बिल की हिमायत करता हूं और सरकार से कहना चाहता हूं कि जितनी भी कोआप्रेटिव सोसायटीज है आफिि ायल्ज को उनको थारोली चैक करना चाहिए। जो बोगस सोसायटीज है उनको बन्द कर देना चाहिए और दूसरी बात यह है कि जो सरकारी कर्जा लोगों ने दबाया हुआ है उसकी तरफ आफिि ायल्ज को ध्यान देना चाहिए और बहुत जल्दी उसकी रिकवरी करने की कोि ा ा करनी चाहिए। मैं चाहूंगा कि सदन इस बिल को पास करें।

श्री गिरी ा चन्द्र जो ीः स्पीकर साहब, इन सोसाएटीज में सरकार जो पैसा लगाती है उस सरकारी पैसे की स्कोरिटी सरकार के हाकिमों के जरिये ही हो सकती है। दूसरी बात यह है कि जहां जहां भी सोसायटीज में सरकार ने अपने हाकिम ऐडमिनिस्ट्रेटर, चेयरमैन लगा रखे हैं वहां बडा अच्छा काम हुआ है। हमारे यहां यमुनानगर में एक कोआप्रेटिव स्टोर है पहले वह घाटे में चलता था लेकिन अब सरकारी आदमी लगने से वह फायदे में चल रहा है। ये हाकिम लोग इलक्टिड लोगों की निस्बत ज्यादा अच्छी तरह से छानबीन करके काम कर सकते हैं। इलैक्टिड लोगों के अन्दर पार्टीबाजी होती है और इस तरह से सोसायटीज के काम में काफी अडचन आती है। सरकारी हाकिमों के हाथ में सरकार का जो पैसा होता है वह ज्यादा महफूज रहता है इन भाब्दों के साथ मैं इस बिल की ताईद करता हैं।

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, इसमें जो बोर्ड बनाते हेकं उसके अन्दर तीन सरकारी नोमिनेटिड मैम्बर भी होते हैं यह बात कहना कि सरकार जिसको मैनेजिंग डायरैक्टर नियुक्त करती है। उसके द्वारा काम अच्छा चलता है यह विचार ठीक नहीं है। वे तो तीन मैम्बर जो उस बोर्ड में होते हैं अपनी राय दे सकते हैं। वे एक मैंबर को मिलाकर अपनी राय दे सकते हैं। एक आदमी को कोआप्रेटिव सोसायटी के उपर अगर बैठा दिया जाए तो वह अपनी मनमानी करता है उसको कोई चैक नहीं कर सकता। एक आदमी के हाथ में जब पावर होती है तो जो बोर्ड आफ डायरेक्टर्ज होते हैं

उनकी इतनी वैल्यू नहीं रहती। इसलिए इस एक्ट में जो यह प्रोविजन है वह हटना चाहिए। पहले सरकार ने जो यह लिखा है कि वह आईएएस, एचसीएस, डिप्टी रजिस्ट्रार, ज्वांयट रजिस्ट्रार और ऐडि ानल रजिस्ट्रार होना चाहिए, हम तो चाहते थे कि ये भी निकाल देने चाहिएं क्योंकि इन अफसरों को बिजनैस का कोई तजुर्बा नहीं होता। वे अफसराने ढंग से काम करते हैं उसमें पेपर वर्क ज्यादा होता है और प्रैक्टिकल वर्क कम होता है। इन लोगों को बिजनैस की कोई नोलिज नहीं होती। इसलिए बजाए फायदा पहुंचाने के ये आफिसर्ज कोआप्रेटिव सोसायटीज को नुकसान पहुंचाने है लेकिन अगर सरकार चाहती है कि वह रहने चाहिएं अगर रखना भी है तो हाई लैवल के आफिसर्ज जो इन्होंने रखे हुए हैं तो वह ठीक है लेकिन इसके अन्दर असिस्टैंट रजिस्ट्रार जो जिले के उपर अफसर होता है और जिसका सब लोगों से मेल–जोल होता है उसको अगर मैनेजिंग डायरैक्टर लगा दिया जाए तो उसमें गडबड और घपला होने की ज्यादा सम्भावना होती है। जैसा कि वर्मा जी ने कहा कि वह प्रोवीजो इसमे ंसे निकाल देना चाहिए यह बिल्कुल ठीक बात है। मैंनेजिंग डायरेक्टर इलैक्ट हुए लोगों में से लगाना चाहिए। असिस्टेंट रजिस्ट्रार जो नीचे के स्तर का आफिसर है उसको इस पद पर नहीं लगाना चाहिए। मैं इन भाब्दों के साथ खत्म करता हूं और इसका विरोध करता हूं।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही साधारण सा सं ाोधन है। जैसा कि अभी मैंबर

साहिबान ने बतलाया कि पुराने एक्ट में आईएएस आफिसर, एचसीएस आफिसर, डिप्टी रजिस्ट्रार और ज्वायंट रजिस्ट्रार तक तो है लेकिन अब असिस्टैंट रजिस्ट्रार को भी मैंनेजिंग डायरेक्टर लगाया जा सकता है इस बारे में यह सं ाोधन लाया गया है। इस छोटे से और साधारण से सं ाोधन के उपर इतने लम्ब चौडे भाशण दिये जांए यह बात समझ में नहीं आती। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि इस बिल के उददे य में बतलाया गया है कि जिन बैंक्स या सोसायटीज में सरकार दस लाख या दस लाख से ज्यादा रकम लगाती है सरकार उन पर पूरी निगरानी रखती है और इस बात का पूरा ध्यान रखती है कि वहां पर किसी प्रकार की गडबड न हो। क्योंकि ऐसी सोसायटीज और बैंक्स की तादाद बहुत बढ गई है और हमारे पास इतने डिप्टी रजिस्ट्रार एचसीएस और आईएएस आफिसर्ज उपलब्ध नहीं है कि जहां आव यकता समझे वहां कन्ट्रोल करने के लिए उनको मैंनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त कर सकें। इसलिए यह सं ाोधन लाया गया है। मैं समझता हूं कि इसमें कोई हानि की बात नहीं है। चौधरी दल सिंह ने इस बिल पर बोलते हुए कुछ और बातें भी कहीं और सरकार पर आरोप लगाया कि जींद में कुछ क्लर्कस की भर्ती की गई। लिस्ट तैयार की गई और वह लिस्ट चंडीगढ में फाइनल हुई। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिए सदन को बतलाना चाहता हूं कि यह आरोप बिल्कुल निराधार है बिल्कुल गलत है। वहां पर बोर्ड आफ डायरेक्टर्ज बना हुआ है। जो भी भर्ती क्लर्कस की या किसी भी आदमी की होती है बोर्ड अपना फैसला स्वयं करता है और वही भर्ती करता है। चंडीगढ तक या मंत्रालय तक यह बात बिल्कुल नहीं आती और

मिनिस्टरों काा इसमें कोई दखल नहीं होता। इस प्रकार का आरोप बिल्कुल गलत है। सरकार की आरे से सोसायटीजय या बैंक्स के काम में मदाखलत नहीं की जाती। दूसरी बात चौधरी ि ावराम वर्मा जी ने कही कि सरकार के आदमी जहां पर जाकर लगते हें वहां पर ज्यादा घोटाला होता है और अगर वह गडबडी करेंगे तो सरकार उनको प्रोटेक ान देगी क्योंकि वे सरकार के आदमी होते हें। अध्यक्ष महोदय, सरकार के तो सभी आदमी है। जो डायरेक्टर्ज हैं, निदे ाक हैं वे भी सरकार के आदमी है। जो सरकार की सर्विस में अफसर है वे सभी सरकार के आदमी है। किसी भी व्यक्ति को जो घोटाला करता है उसको सरकार बचाएगी यह बिल्कुल निराधार है बिल्कुल गल्त बात है। बल्कि बात बिल्कुल इसके उल्ट है कि सरकार का यदि कोई अफसर कहीं पर किसी काम को चलाता है तो हम उसे बडी मुस्तैदी के साथ चैक कर सकते हैं उस पर नियंत्रण रख सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, आप यह भी मानेंगे कि जिस सोसायटी के अन्दर सरकार ने पूंजी लगाई हुई है उसकी देखभाल के लिये उसकी रखवाली के लिये सरकार को सर्तक रहना चाहिए। इसलिये यह जो साधारण सा सं ाोधन सदन के सामने प्रस्तुत किया गया है इसमें मैं समझता हूं कि इसमें कोई हानि नहीं है जैसी कि इस बारे में आं ाकाएं प्रकट की गई हैं ऐसी कोई बात नहीं है। मैं आपके द्वारा माननीय सदस्यों से यह प्रार्थना करता हूं कि इस साधारण से सं ाोधन को पास कर दिया जाए।

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान है मेरा नाम यहां पर कोट किया गया है इस बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि मैंने जो कुछ यहां पर कहा है बिल्कुल ठीक कहा है।

श्री बनारसी दास गुप्तः स्पीकर साहब, इन्होंने अपनी बात कह ली मैनें अपनी बात कह ली।

Mr. Speaker: No point of personal explanation.

चौधरी दल सिंहः स्पीकर साहब, इन्होंने मेरा नाम लिया है—मैंने जो कुछ कहा है, वह बिल्कुल ठीक कहा है।

श्री बनारसी दास गुप्तः बिल्कुल गल्त कहा है।

Mr. Speaker: He has said nothing against your person. No interruptions please.

Mr. Speaker: Question is-

That the Punjab Co-operative Soceities (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: The House will now take up the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Quesiton is-

That clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Quesiton is-

That clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Quesiton is-

That enacting formula be the enacting formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

विद्युत तथा सिचांई मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): अध्यक्ष महोदय, मैं सादर प्रस्ताव करता हूं कि दी पंजाब को–आप्रेटिवज सोसायटीज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1974 का दीर्घ नाम में 1971 अंक के लिये 1961 अंक प्रस्तावित कीजिए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That in the long title of the Punjab Co-operative Soceities (Haryana Amendment) Bill, 1974 for the figures "1971" substitute the figures "1961".

Mr. Speaker: Question is-

That in the long title of the Punjab Co-operative Soceities (Haryana Amendment) Bill, 1974 for the figures "1971" substitute the figures "1961".

The motion was carried.

Mr. Speaker: Quesiton is-

That the title, as amendment be the title of the Bill.

The motion was carried.

श्री बनारसी दास गुप्तः श्रीमान, मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि पंजाब सहकारी सोसाइटीज (हरियाणा सं ाोधन) विधेयक, यथा सं ाोधित, पारित किया जाये।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Punjab Co-operative Soceities (Haryana Amendment) Bill, 1974 as amended be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Punjab Co-operative Soceities (Haryana Amendment) Bill, 1974 as amended be passed.

The motion was carried.

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय सदस्यों को एक सूचना देना चाहता हूं कि कल सांयकाल 4 बजे असैम्बली के कमेटी रूम में एक मीटिंग की जाएगी। उसमें उन क्षेत्रों में जहां सरकार की ओर से टयूबवैलज

लगाये गये थे, उनके खिलाफ यह ि ाकायत थी कि उनसे प्राइवेट टयूबवैलज के उपर असर पडा है। इस पर हमारे इंजीनियर्स ने इन्कवायरी की है। उस इन्कवायरी रिपोर्ट पर कल कमेटी रूम में डिस्क ान होगी, जो मैम्बर साहेबान इंट्रस्टिड हैं वे कृपया मीटिंग में पधारने का कश्ट करें।

चौधरी राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, मेरी अर्ज यह है कि इन्होंने इस बारे में हाउस में ए ाोरैन्स दी थी कि यह रिपोर्ट हाउस की मेज पर रखी जाएगी और यहां पर उसके उपर डिस्क ान होगी।

मुख्यमंत्री (चौधरी बंसी लाल): स्पीकर साहब, हाउस में ऐसी ए ाोरैन्स कभी नहीं दी थी।

***15.46 बजे**

Mr. Speaker: The House stands * adjourned till 2 P.M. on Monday, the 29th July, 1974.